सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

घर से निकलने से पहले हथेली पर लगाए.. पेज: 7

बड़े स्टार्स के बारे में गलत है नए..... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 19 | सोमवार 20 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

टीसीएस के बाद शिर्डी के डीमार्ट में धर्मांतरण का आरोप, बवाल बढ़ा, पुलिस जांच में जुटी

शिर्डी (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कथित धर्मांतरण को लेकर एक और विवाद सामने आया है। नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में पहले से चल रही जांच के बीच अब शिर्डी के डीमार्ट स्टोर में भी इसी तरह के आरोपों ने तूल पकड़ लिया है। मामले के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति बन गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शिर्डी स्थित डीमार्ट स्टोर में काम करने वाले एक युवक अश्विन पर आरोप है कि उसे धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया। आरोप यह भी है कि स्टोर में ही कार्यरत एक अन्य कर्मचारी सोहेल मनियार ने कथित रूप से उसका 'ब्रेनवॉश' कर उसे धर्म बदलने के लिए उकसाया। मामले को तब और तूल मिला जब यह दावा किया गया कि संबंधित युवक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपना नाम बदलकर 'मुस्तफा' कर लिया है। हालांकि, इस दावे की अब तक किसी भी आधिकारिक स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ हिंदू संगठनों के पदाधिकारी डीमार्ट स्टोर पहुंचे और प्रबंधन से जवाब मांगा। बताया जा रहा है कि इस स्टोर में करीब 150 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसी माहौल में कथित धर्मांतरण के आरोप सामने आने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की जांच की जा रही है और सभी संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

महाराष्ट्र स्कूलों में मराठी अनिवार्य, उल्लंघन करने पर होगी मान्यता रद्द लगेगा जुर्माना

-शैक्षणिक सत्र शुरू होने के दो महीने के अंदर स्कूलों का किया जाएगा निरीक्षण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को अनिवार्य कर दिया गया है। यहा मराठी न पढ़ाने वाले स्कूलों पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। यही नहीं, उनकी मान्यता भी रद हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने जीआर के जरिए सभी स्कूलों में मराठी भाषा के अनिवार्य शिक्षण को सख्ती से लागू कर दिया है। यह चिंता जताई गई थी कि कई स्कूल विशेषकर केंद्रीय बोर्डों से संबद्ध स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जीआर में उल्लंघन करने पर एक लाख रुपए तक के जुर्माने समेत कठोर दंड की चेतावनी दी गई है। जीआर में कहा गया है कि महाराष्ट्र अनिवार्य मराठी भाषा शिक्षण अधिनियम, 2020 के तहत 2020-21 से सभी स्कूलों में कक्षा एक से 10 तक मराठी एक अनिवार्य विषय है। यह सभी संस्थानों पर लागू होता है, चाहे वे किसी भी बोर्ड या माध्यम से संचालित हों। विभाग ने इस नियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए संभागीय उप शिक्षा निदेशकों को सक्षम प्राधिकारी नामित किया है। रिपोर्ट के मुताबिक शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के दो महीने के भीतर स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि यह तय किया जा सके कि उनमें मराठी पढ़ाई जा रही है या नहीं। उल्लंघन पाए जाने पर स्कूलों को नोटिस भेजा जाएगा और उनसे 15 दिनों के अंदर जवाब मांगा जाएगा। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख सौदेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख की सौदेबाजी से जुड़े एक बड़े रैकेट का खुलासा होने से हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह नेटवर्क राज्य के कई शहरों में सक्रिय है और सरोगेसी के नाम पर नियमों की खुली अवहेलना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गिरोह का संचालन एक निजी अस्पताल से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि यह रैकेट निसंतान दंपतियों को सरोगेसी के नाम पर 7 से 15 लाख रुपए तक का सौदा कराता है। साथ ही महिलाओं की उम्र, शारीरिक बनावट और रंग-रूप के आधार पर उनकी कीमत तय करने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस नेटवर्क में गरीब महिलाओं को पैसे का लालच देकर सरोगेट मदर बनाया जाता है। इनमें कुछ कुंवारी लड़कियां भी शामिल बताई जा रही हैं। गर्भावस्था के दौरान उन्हें गुप्त स्थानों पर रखा जाता है ताकि सामाजिक दबाव या पहचान उजागर न हो। जन्म के बाद बच्चों को संबंधित दंपतियों को सौंप दिया जाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह केवल सरोगेसी तक सीमित नहीं है, बल्कि अवैध लिंग चयन और नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त जैसे गंभीर अपराधों में भी शामिल है। इन गतिविधियों की निगरानी के लिए खुफिया कैमरों और डिजिटल साक्ष्यों का सहारा लिया गया है। बता दें भारत में व्यावसायिक सरोगेसी पूरी तरह प्रतिबंधित है। केवल परोपकारी सरोगेसी की अनुमति है, जिसमें सरोगेट महिला को कोई आर्थिक लाभ नहीं दिया जाता और वह अक्सर रिश्तेदार होती है। इसके बावजूद ऐसे अवैध नेटवर्क का सक्रिय रहना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 5 से 10 साल तक की सजा और भारी जुर्माने भी लगाया जाएगा। इस खुलासे के बाद प्रशासन ने पूरे प्रदेश में अवैध क्लीनिकों और सरोगेसी से जुड़े सेंटरों पर निगरानी बढ़ा दी है।

पहलगाम में सुरक्षा का नया तरीका, अब क्यू आर कोड बताएगा कौन है आपको घुमाने वाला

जम्मू (एजेंसी)। पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए तकनीक का सहारा लिया है। सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से अब पारंपरिक पहचान पत्रों के स्थान पर क्यूआर कोड आधारित प्रणाली लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत पहाड़ी इलाकों में कार्यरत टैक्सी ड्राइवरों, पोनी हैंडलरों (खच्चर चलाने वाले), गाइडों और घुमंतू समुदाय के लोगों को विशिष्ट क्यूआर कोड जारी किए जा रहे हैं। यह क्यूआर कोड एक आईकार्ड की तरह गले में लटकाना अनिवार्य होगा। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसे मोबाइल या गूगल लेंस के जरिए स्कैन करते ही संबंधित व्यक्ति की पूरी जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाएगी। स्कैन करने पर व्यक्ति का नाम, पता, संपर्क नंबर, पहचान पत्र संख्या, पिन कोड और उसका पेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यह तकनीक न केवल सुरक्षाबलों के लिए मददगार है, बल्कि यहां आने वाले पर्यटक भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे स्कैन कर सकते हैं।

कांग्रेस और उसके सहयोग को लेकर आधी आबादी के मन में भारी आक्रोश

महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने 2014 में देश की सत्ता अपने हाथों में ली थी, तब उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने कहा कि भारत को कमजोर करने की नीयत से जातिवाद के नाम पर खुद के परिवार का भरण-पोषण करके उन्होंने देश को लूटा है। उनके लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक चुनौती थी।

सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई भी प्रोग्रेसिव कदम उठाया है, कांग्रेस और उसके जितने भी सहयोगी हैं, हमेशा विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है। वह आक्रोश समाजवादी पार्टी, राजद, टीएमसी, डीएमके और उन दलों का है जो इस पाप में भागीदार थे, उनके प्रति महिला का आक्रोश देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समाज और देश के हित में जो कदम उठाए गए हैं, उनके सामने कैसे बैरियर के रूप में और उन कदमों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए इंडी गठबंधन किस हद तक जाकर षड्यंत्र करता है। उन्होंने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, लेकिन जब महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों ने इस बात की मांग की कि यह अधिनियम 2034 के बजाए 2029 में लागू हो, उनकी मांग के मुताबिक पीएम मोदी ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में आवश्यक संशोधन लेकर आई।

योगी ने कहा कि कुछ राज्यों ने इसके बारे में मांग उठाई थी कि ऐसा न हो कि इसके जरिए उनके हक को कम कर दिया जाए। पीएम मोदी ने 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करते वक्त तय किया था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा। 33 फीसदी आरक्षण के लिए अतिरिक्त सीट लोकसभा और विधानसभा में बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसी का हक कम नहीं होता, केवल एक ही इच्छा थी कि सदन मिल कर भारत की नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ संशोधन विधेयक पारित कर 2029 में उनका अधिकार दे दें।

सीएम योगी ने कहा कि जब भारत के संविधान का निर्माण हो रहा था तो उस समय भी धर्म के आधार पर आरक्षण देने की मांग उठी थी। सभी पक्षों ने इसका विरोध किया था। बाबासाहेब ने इसको लेकर बहुत तीखी टिप्पणी लिखी थी कि एक बार विभाजन हो गया है, भारत दूसरे विभाजन के लिए तैयार नहीं हो सकता। सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसका विरोध किया था। सभी सदस्यों ने इसका विरोध किया था। आज जब वे मुस्लिम महिलाओं की बात करते हैं, तब वे कहां थे? शाह बानो प्रकरण में कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया।

मीटिंग के दौरान पवन कल्याण की बिगड़ी तबीयत, ऑपरेशन के बाद पीएम मोदी ने लिया हालचाल

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका ऑपरेशन किया गया। इस घटना के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर चिंता जताई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनसे फोन पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को एक बैठक के दौरान पवन कल्याण की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता बताई।

ऑपरेशन सफल रहा और डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल आराम की सलाह दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पवन कल्याण से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी पोस्ट करते हुए लिखा कि पवन कल्याण बेहद साहसी हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि वे जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगे। उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना भी की। इस बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी पवन कल्याण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि वे सर्जरी के बाद जल्द स्वस्थ होकर अपने कार्यों पर लौटें। वहीं राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने भी उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की और शुभकामनाएं दीं। पवन कल्याण के राजनीतिक सचिव पी. हरिप्रसाद के अनुसार, वे पिछले कुछ महीनों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। शुक्रवार को प्रशासनिक बैठक के दौरान उन्हें तेज दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए और अस्पताल पहुंचे। जांच में एमआरआई सहित कई परीक्षणों के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन का निर्णय लिया। डॉक्टरों का कहना है कि पवन कल्याण को अब लगभग 7 से 10 दिन तक आराम करना होगा, जिसके बाद वे धीरे-धीरे अपने आधिकारिक कार्यों को फिर से शुरू कर सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से स्वस्थ होने में अभी समय लग सकता है।

चुनाव आयोग ने सूची में जोड़े करीब सात लाख नए मतदाता, ममता ने ली राहत की सांस

-इससे हर एक सीट पर वोटर की बढ़ेगी संख्या, 23 और 29 अप्रैल को होना है मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 23 और 29 अप्रैल को मतदान से पहले ममता बनर्जी को राहत मिली है। चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में करीब सात लाख नए मतदाताओं को शामिल कर लिया है। इस बढ़ोतरी के साथ राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या अब 6,82,51,008 हो गई है। आयोग ने इन नए मतदाताओं की आयु, लिंग या अन्य विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सात लाख नए मतदाताओं में से करीब 3.22 लाख पहले चरण के मतदान में भाग लेंगे, जबकि बाकी 3.88 लाख दूसरे चरण में वोट डाल सकेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने हैं। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 विधानसभा क्षेत्रों में और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को शेष 142 क्षेत्रों में मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इन नए शामिल मतदाताओं में कितने 18 साल पूरे कर चुके युवा हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। साथ ही, फॉर्म-6 के जरिए प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या और उनमें से कितने आवेदन अस्वीकृत किए गए, इसकी कोई जानकारी नहीं दी है।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुल आंकड़े मानदंडों के अनुरूप जारी किए गए हैं। विस्तृत आंकड़े तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर बाद में साझा किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद मतदाता सूची में और नाम जुड़ सकते हैं, जिससे कुल संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी राज्य में चल रहे एसआईआर के बाद हुई है। एसआईआर अभियान के दौरान मृतक, प्रवासी, डुप्लिकेट और अनट्रेसेबल मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर में कुल 90 लाख से ज्यादा नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिसके बाद कुल मतदाताओं की संख्या पहले 7.66 करोड़ से घटकर करीब 6.8 करोड़ के आसपास पहुंच गई। ऐसे में सात लाख नए नामों का जुड़ना चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। बता दें टीएमसी समेत विपक्षी दलों ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उनका दावा था कि बड़ी संख्या में नाम हटाने से कई योग्य मतदाता वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।

तमिलनाडु में 'हीरो बनाम विलेन' की सियासत के साथ ही चुनाव बना व्यक्तिगत इमेज की जंग

-द्रमुक और अन्नाद्रमुक ने नेताओं को 'जननायक' बनाम 'खलनायक' के रूप में पेश किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनावी माहौल के बीच राजनीति का रंग अब दिलचस्प मोड़ लेता दिख रहा है। यहां पारंपरिक मुद्दों के साथ-साथ 'अभिनेता बनाम खलनायक' की सियासत भी चरम पर पहुंच गई है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) अपने-अपने नेताओं की व्यक्तिगत छवि को जनता के बीच मजबूत करने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना रहे हैं।

द्रमुक अपने नेता और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को विकास और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में पेश कर रही है। पार्टी के प्रचार में स्टालिन को एक ऐसे नेता के तौर पर दिखाया जा रहा है, जो महिला कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय पहचान को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी छवि को केंद्र में रखकर मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश हो रही है।

वहीं दूसरी ओर, अन्नाद्रमुक अपने नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को 'जननायक' और मजबूत प्रशासक के रूप में प्रस्तुत कर रही है। पार्टी का दावा है कि वह राज्य में बेहतर शासन और विकास का विकल्प पेश कर रही है। साथ ही, द्रमुक पर आरोप लगाया जा रहा है कि वह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए छवि आधारित राजनीति कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तमिलनाडु की राजनीति में यह कोई नई रणनीति नहीं है। राज्य में लंबे समय से नेताओं को 'हीरो' और विरोधियों को 'विलेन' के रूप में पेश करने की परंपरा रही है, जो यहां की फिल्म संस्कृति से भी प्रभावित है। यही कारण है कि चुनावी मुकाबला केवल नीतियों और वादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह जनभावनाओं और छवि निर्माण की जंग भी बन जाता है। इस बार के चुनाव में भी यही रुझान देखने को मिल रहा है, जहां दोनों प्रमुख दल अपने-अपने नेताओं को सकारात्मक रूप में पेश करते हुए विरोधियों की छवि को कमजोर करने में जुटे हैं। ऐसे में यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जनधारणा और व्यक्तित्व की लड़ाई के रूप में भी देखा जा रहा है।

मुश्किल है मौसम का मिजाज भांपना : कहीं लू का कहर तो कहीं बारिश और बर्फबारी का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में देश के एक बड़े हिस्से को भीषण गर्मी और लू का सामना करना पड़ेगा, जबकि कुछ राज्यों में बारिश और आंधी-तूफान से राहत मिलने के आसार हैं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के लिए लू की चेतावनी जारी की गई है। इन इलाकों में दिन के समय चलने वाली तेज गर्म हवाएं जनजीवन को प्रभावित कर सकती हैं।

उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। पूर्वी भारत में भी पारा 2 से 3 डिग्री तक चढ़ने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गर्मी के साथ-साथ भारी उमस लोगों की मुश्किलें बढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में गर्म रातों का दौर जारी रहने की संभावना है, जिससे लोगों को चौबीसों घंटे गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

पीएम मोदी ने न केवल झूठ का पुलिंदा खोला बल्कि आचार संहिता का भी उल्लंघन किया: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया था। उनके संबोधन में कही गईं बातों को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झूठ का पुलिंदा बताया है। इसके साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा की पीएम मोदी आचार संहिता का भी उल्लंघन किया है।

उन्होंने हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे गरिमा के विपरीत बताया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने एक आधिकारिक मंच का उपयोग विशुद्ध रूप से राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें विरोधियों पर कीचड़ उछालने और असत्य दावों के सिवाय कुछ नहीं था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए खड़गे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में अपनी कोई ठोस उपलब्धि न दिखा पाने के कारण प्रधानमंत्री हताशा और निराशा में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब चुनाव आचार संहिता लागू है, तब भी प्रधानमंत्री ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर अपने विरोधियों पर निशाना साधा, जो लोकतंत्र और भारतीय संविधान का खुला अपमान है। खड़गे ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में 59 बार कांग्रेस का जिक्र किया, जबकि महिलाओं का नाम बमुश्किल ही लिया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट हो जाती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के लिए महिलाएं कभी प्राथमिकता में नहीं रहीं और केवल कांग्रेस ही वास्तव में उनके साथ खड़ी है।महिला आरक्षण के मुद्दे पर खड़गे ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हमेशा इस दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पारित करवाया था ताकि वह निष्प्रभावी न हो, लेकिन भाजपा तब इसे लोकसभा में पारित नहीं करा सकी। उन्होंने मांग की कि सरकार 2023 के कानून के तहत मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू करे और इसे परिसीमन के बहाने न टाले। अपनी पार्टी की विरासत का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि हरित क्रांति से लेकर सूचना के अधिकार, मनरेगा और खाद्य सुरक्षा जैसे ऐतिहासिक कानून कांग्रेस की देन हैं। उन्होंने हाथरस, उन्नाव और महिला पहलवानों के मामलों का उदाहरण देते हुए भाजपा पर महिला-विरोधी होने का आरोप लगाया। खड़गे ने अंत में कहा कि 12.5 साल सत्ता में रहने के बाद भी सरकार महंगाई और गिरती अर्थव्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों का समाधान निकालने में पूरी तरह विफल रही है।

भारतीय वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत ने अमेरिकी एफ-15ईएक्स ईगल-2 फाइटर जेट उड़ाया

-यह उड़ान एयर चीफ मार्शल सिंह की नेलिस एयरफार्स बेस की बड़ी यात्रा का हिस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ़ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 9 अप्रैल को नेवादा में नेलिस एयर फ़ोर्स बेस के अपने दौरे के दौरान, बोइंग एफ-15ईएक्स ईगल-2 फाइटर जेट में अमेरिकी वायु सेना के मेजर मैथ्यू बेन्सन के साथ उड़ान भरी, जो 85वीं टेस्ट और मूल्यांकन स्क्वाड्रन के पायलट हैं। इस उड़ान ने भारतीय वायु सेना प्रमुख को अमेरिका के बेड़े में मौजूद सबसे उन्नत फाइटर प्लेटफॉर्म में से एक को करीब से देखने का मौका दिया, यह प्लेटफॉर्म हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हवाई श्रेष्ठता बनाए रखने और अभियानों में सहायता करने में अहम भूमिका निभाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफ-15ईएक्स ईगल-2 अमेरिका के प्रमुख हवाई श्रेष्ठता फाइटर का नवीनतम संस्करण है, जिसे अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सहयोगात्मक रक्षा के लिए जरुरी प्लेटफार्म में से एक मानता है। यह उड़ान एयर चीफ मार्शल सिंह की नेलिस एयरफार्स बेस की बड़ी यात्रा का हिस्सा थी; यह बेस अमेरिका एयर फ़ोर्स के लिए एडवांस्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग और ऑपरेशनल टेस्टिंग का एक अहम केंद्र है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इस अनुभव से भारतीय एयर चीफ को विमान की क्षमताओं और आधुनिक हवाई युद्ध में उसकी भूमिका को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिला।

इस यात्रा के दौरान सिंह ने अमेरिकी एयर फोर्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बातचीत की, जिनमें अमेरिकी एयर फ़ोर्स वॉरफ़ेयर सेंटर के कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपरसन भी शामिल थे। एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी आईएएफ प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। बातचीत का मुख्य जोर दोनों वायु सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास के अवसरों को बढ़ाने और आधुनिकीकरण के प्रयासों में तालमेल बिठाने पर रहा। इन चर्चाओं में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मज़बूत बनाने की जरूरत पर भी ज़ोर दिया गया।

भारत और चीन में बढ़ रही नजदीकियां: एससीओ की बैठक हुई, अब जिनपिंग कर सकते हैं दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से सुधरते कूटनीतिक रिश्तों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित हुआ है। दोनों देशों ने 16-17 अप्रैल को अपनी पहली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) द्विपक्षीय वार्ता आयोजित की। साल 2024 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के सफलतापूर्वक सुलझने के बाद, इस उच्च स्तरीय बैठक को द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस वार्ता के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने एससीओ नेताओं द्वारा लिए गए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन और संगठन की भविष्य की रूपरेखा पर गहन चर्चा की। भारत और चीन ने एससीओ से जुड़े विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर आपसी विचार-विमर्श जारी रखने और सहयोग को अधिक सुदृढ़ करने पर अपनी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने संयुक्त रूप से विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एससीओ ढांचे के भीतर सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा विवाद सुलझने के बाद से दोनों देश ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रियता से साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बीजिंग ने भारत की मौजूदा ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रति अपना पूर्ण समर्थन जताया है। इसी कड़ी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के मई के मध्य में भारत आने की संभावना है, जबकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत दौरे की उम्मीद जताई जा रही है। ये दौरे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बर्फ पिघलने का स्पष्ट संकेत देते हैं। एससीओ के प्रति भारत का रुख सदैव स्पष्ट और सैद्धांतिक रहा है। भारत इस यूरेशियन समूह में अपनी सदस्यता को अत्यंत महत्व देता है और उसका मानना है कि इस संगठन का मूल उद्देश्य क्षेत्र में आतंकवाद, कट्टरपंथ और उग्रवाद का डटकर मुकाबला करना होना चाहिए। साथ ही, भारत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी (संपर्क) को बढ़ावा देने का पक्षधर है, लेकिन उसकी यह स्पष्ट शर्त है कि ऐसी कोई भी पहल सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले शिखर सम्मेलनों में यह कड़ा संदेश दिया था कि संप्रभुता को दरकिनार कर शुरू की गई कोई भी कनेक्टिविटी पहल अपना भरोसा और सार्थकता खो देती है। फिलहाल, यह द्विपक्षीय वार्ता एशिया की इन दो बड़ी शक्तियों के बीच विश्वास बहाली की प्रक्रिया को नई गति प्रदान कर रही है।

सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता का उदय: भुवनेश्वर से उठती तकनीकी क्रांति की नई लहर

विनोद कुमार सिंह

वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अग्रिम मांग और सहयोग के संकेत यह दशार्ते हैं कि भारत अब वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनने की दिशा में अग्रसर है।यह न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा,बल्कि देश की रणनीतिक क्षमताओं को भी सुदृढ़ करेगा।

भारत की विकास यात्रा में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब कोई पहल केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि वह राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली धुरी बन जाती है। 19 अप्रैल 2026 को भुवनेश्वर की धरती पर देश की पहली काँच आधारित उन्नत त्रि-आयामी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई के शिलान्यास के साथ ऐसा ही एक ऐतिहासिक अध्याय प्रारंभ हुआ। यह केवल एक औद्योगिक स्थापना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के उस स्वप्न का साकार रूप है, जिसमें तकनीक, नवाचार और राष्ट्रीय संकल्प एक साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं।आज का युग सूचना, संचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी का युग है। इस युग की हर धड़कन के केंद्र में सेमीकंडक्टर है– वह अदृश्य शक्ति, जो मोबाइल फोन से लेकर अंतरिक्ष अभियानों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर रक्षा प्रणालियों तक हर क्षेत्र को संचालित करती है। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में एक अनिवार्य कदम है। भुवनेश्वर में स्थापित हो रही यह उन्नत इकाई इसी व्यापक दृष्टिकोण का परिणाम है।इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का उद्बोधन पूरे आयोजन की आत्मा बनकर उभरा। उनके शब्दों में केवल एक परियोजना की जानकारी नहीं थी, बल्कि उसमें भारत के तकनीकी भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा और आत्मविश्वास का स्वर गूंज रहा था। उन्होंने इस पहल को देश की तकनीकी संप्रभुता से जोड़ते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत अब सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा,बल्कि वह निर्माण, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उनके वक्तव्य में यह भाव स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि काँच आधारित त्रि-आयामी पैकेजिंग तकनीक भारत के लिए एक परिवर्तनकारी कदम सिद्ध होगी, जो उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दूरसंचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में देश को नई शक्ति प्रदान करेगी।केंद्रीय मंत्री ने जिस विश्वास और दूरदर्शिता के साथ इस परियोजना को भारत के भविष्य से जोड़ा,वह यह संकेत देता है कि देश अब तकनीकी

प्रतिस्पर्धा में पीछे रहने को तैयार नहीं है।उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका निरंतर मजबूत हो रही है और यह पहल देश को एक विश्वसनीय तथा सक्षम तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित करेगी।उनके उद्बोधन में आत्मनिर्भर भारत की वह व्यापक अवधारणा स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जिसमें तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनती है।इस अवसर पर मोहन चरण माँझी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में राज्य की प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हुए कहा कि ओडिशा निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने इस परियोजना को राज्य के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह ओडिशा को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगी।

लगभग 1,943 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हो रही यह परियोजना भारत की पहली काँच सब्सट्रेट आधारित उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग सुविधा है। केंद्र सरकार द्वारा लगभग 799 करोड़ रुपये और राज्य सरकार द्वारा लगभग 399 करोड़ रुपये के सहयोग से यह परियोजना राष्ट्रीय प्राथमिकता का स्वरूप धारण कर चुकी है।लगभग 2,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन करते हुए यह इकाई देश के युवाओं को उच्च तकनीकी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी।प्रति वर्ष लगभग पाँच करोड़ इकाइयों के उत्पादन की क्षमता इस परियोजना को भारत के सेमीकंडक्टर परिदृश्य में एक सशक्त आधार प्रदान करेगी। तकनीकी दृष्टि से यह परियोजना अपने आप में अद्वितीय है।काँच आधारित सेमीकंडक्टर पैकेजिंग तकनीक पारंपरिक सिलिकॉन आधारित प्रणालियों की तुलना में अधिक प्रभावी, ऊर्जा-कुशल और विश्वसनीय मानी जाती है।उच्च आवृत्ति पर बेहतर सिग्नल गुणवत्ता, तापीय स्थिरता और कम ऊर्जा हानि जैसी विशेषताएँ इसे भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती हैं।यही कारण है कि यह तकनीक डेटा केंद्रों, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,उन्नत संचार प्रणालियों और रक्षा क्षेत्र में व्यापक उपयोग की संभावनाएँ रखती है।

इस परियोजना की एक और विशेषता इसकी पूर्णतः एकीकृत संरचना है,जिसमें काँच पैनल निर्माण,चिप असेंबली और उन्नत पैकेजिंग सभी एक ही परिसर में संचालित होंगे।यह मॉडल उत्पादन की दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्ता नियंत्रण और लागत प्रबंधन को भी सुदृढ़ करेगा। तीन प्रमुख उत्पादन इकाइयों–काँच पैनल प्रसंस्करण,असेंबली एवं पैकेजिंग,तथा त्रि-आयामी एकीकृत मॉड्यूल निर्माण के माध्यम से यह परियोजना भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक नई ऊँचाई प्रदान करेगी।इस परियोजना के कार्यान्वयन की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्थल परीक्षण और प्रारंभिक इंजीनियरिंग कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया जारी है।उत्पादन प्रारंभ होने की संभावित समयसीमा वर्ष 2028 निर्धारित की गई है,जबकि पूर्ण क्षमता से उत्पादन 2030 तक आरंभ होने की संभावना है। यह समयबद्ध योजना भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और कार्यान्वयन दक्षता का प्रमाण है।

वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अग्रिम मांग और सहयोग के संकेत यह दशार्ते हैं कि भारत अब वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनने की दिशा में अग्रसर है।यह न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा,बल्कि देश की रणनीतिक क्षमताओं को भी सुदृढ़ करेगा।

संक्षेप में भुवनेश्वर में स्थापित हो रही यह उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई भारत के तकनीकी आत्मविश्वास,आर्थिक दृष्टि और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। अश्विनी वैष्णव के उद्बोधन में व्यक्त दृष्टि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अग्रिम पंक्ति में खड़ा होने के लिए तैयार है।यह पहल उस नए भारत की कहानी कहती है,जो अपने सपनों को साकार करने के लिए केवल संकल्पित ही नहीं, बल्कि सक्षम भी है,इस ऐतिहासिक क्षण का सबसे बड़ा संदेश है।

संपादकीय

बगल में छुरी

शिक्षण परिसरों की निगरानी में कभी माहौल के आदर्श और केवल शिक्षा के लक्ष्य ही गूंजते थे, लेकिन अब यह दौर चुनौतियों से भरा है। सोलन के निजी विश्वविद्यालयों की छतें इतनी कमजोर कैसे हो गईं कि छात्र समुदाय अपनी हिम्मत हारने लगे हैं। मौत की छलांग का नजारा रौंगटे खड़े कर देता है, लेकिन घातक परिस्थितियों तक छात्र क्यों पहुंच रहे हैं, इस पर गौर करना होगा। एक दूसरा परिदृश्य सरकारी कालेजों के शरारती दरवाजे कर रहे हैं। अपनी कक्षाओं में ही तीन सहायक प्रोफेसर अपना आचरण नहीं बचा पाए। प्राध्यापकों के बगल में छुरी, आंखों में व्यभिचार और संगत में सारे दोष अगर होंगे, तो उनकी बर्खास्तगी का शुक्र मनाना चाहिए। वाकई इन सहायक प्रोफेसरों से कालेज की दीवारें कांपी होंगी, जब वे अपनी ही शिष्याओं के बीच दुष्चरित्र साबित हुए। अफसोस यह कि हिमाचल में अब छात्राओं को उन्हीं के प्रोफेसरों से खतरा है। अच्छी बात यह है कि इन तीनों मामलों के विरुद्ध पीड़ित छात्राओं ने खुद ही मोर्चा खोला और परिणाम स्वरूप लंबी जांच के बाद प्रोफेसरों को चलता कर दिया गया। कार्रवाई से निकले सबक दूर तक जाएंगे, लेकिन यह चिंता का विषय है कि शिक्षकों के वेश में खोट निकल रहे हैं। विडंबना यह भी है कि शिक्षक अब एक पाठ्यक्रम और सरकारी नौकर है। पिछले कुछ वर्षों से यह भी देखा जा रहा है कि इस पवित्र पेशे के आदर्श या तो राजनीति में दफन हो चुके हैं या पोस्टिंग के पहरावे में कुछ खास पहचान के लोग चमक रहे हैं। एक समय था जब शिक्षकों के मार्फत कोई छात्र खिलाड़ी, कोई गायक, कोई कलाकार, तो कोई साहित्यकार बन जाता था। तब शिक्षक पाठ्यक्रम से कहीं ऊपर जिंदगी के गुरु होते थे। पढ़ाने का तरीका और सलीका उनके प्रति गुरुत्व का आकर्षण और आगे बढे की महत्त्वाकांक्षा पैदा करता था। खैर ये तीन प्रोफेसरों के चरित्र की कहानी नहीं, बल्कि हिमाचल के चेहरे से हो रही छेडखानी ही मानी जाएगी। हिमाचल में कुछ विकृत प्रवृत्तियां और निरंकुश अदाकार पैदा हो रहे हैं। इसे सोशल मीडिया की पैदावार कहें या समाज के प्रति लापरवाह होता व्यक्तिगत स्वार्थ मानें। महिलाओं का आगे बढा, उनका स्वतंत्र व जागरूक होना प्रदेश की छवि को खास बनाता है, लेकिन स्वतंत्रता और उद्दंडता के बीच अंतर कम होने लगा है। घुमारवीं में दो महिलाओं द्वारा कंडक्टर के खिलाफ किया गया प्रदर्शन, किस समाज की परिभाषा में पुरस्कृत होगा और हैरानी यह कि ऐसे मौकों से जनता की जिम्मेदारी गायब हो रही है। हिमाचल में व्यक्ति से व्यक्ति की दूरी ही बढ़ रही है, तो हम राज्य के सामाजिक संगठन में कैसे किसी आचार संहिता का पालन करेंगे। सोशल मीडिया पर उभरती टिप्पणियों का संज्ञान लें तो फिसाद की जड़ हमारे बीच है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोशल मीडिया की नई मजदूरी से घायल होने की पूरी संभावना है। नाहन से तथाकथित इन्फ्लुएंसर युवती की हालिया वीडियो ने जिस तरह देश की सेवा में लगे फौजियों के व्यक्तित्व व चरित्र पर प्रहार किया है, उससे बड़ा अपशगुन हम नहीं देख सकते।

चिंतन-मनन

भौतिकवाद से उपजी दुर्गति

ऊंचा महल खड़ा करने के लिए किसी दूसरी जगह गड्ढे बनाने पड़ते हैं। मिट्टी, पत्थर, चूना आदि जमीन को खोदकर ही निकाला जाता है। एक जगह टीला बनता है तो दूसरी जगह खाई बनती है। संसार में दरिद्रों, अशिक्षितों, दुःखियों, पिछड़ों की विपुल संख्या देखते हुए विचार उठता है कि उत्पादित सम्पदा यदि सभी में बंट गई होती तो सभी लगभग समान स्तर का जीवन जी रहे होते। अभाव एक ही कारण उत्पन्न हुआ है कि कुछ लोगों ने अधिक बटोरने की विज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद की विनिर्मित मान्यता के अनुरूप यह उचित समझा है कि नीति, धर्म, कर्त्तव्य, शालीनता, समता, परमार्थ परायणता जैसे उन अनुबंधों को मानने से इंकार कर दिया जाए जो पिछली पीढ़ियों में आस्तिकता और धार्मिकता के आधार पर आवश्यक माने जाते थे। पशुओं को जब नीतिवान परोपकारी बनाने के लिए बाधित नहीं किया जा सका, तो बन्दर से मानव रूप में विकसित मनुष्य को यह किस आधार पर समझाया जा सके कि उसे उपार्जन तो करना चाहिए पर उसको उपभोग में ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। विज्ञान के साथ सज्ञान का समावेश यदि रह सका होता तो भौतिक और आत्मिक सिद्धान्तों पर आधारित प्रगति का लाभ हर किसी को समान रूप से मिलता पर किया क्या जाए? भौतिक विज्ञान जहां शक्ति व सुविधा प्रदान करता है, वहीं प्रत्यक्षवादी मान्यताएं नीति, धर्म, संयम, स्नेह, कर्त्तव्य आदि को झुठला देती हैं। ऐसी दशा में उद्दंडता अपनाए हुए समर्थ का दैत्य-दानव बन जाना स्वाभाविक है। औद्योगीकरण के नाम पर बने कारखानों ने संसार भर में वायु और जल प्रदूषण भर दिया है। ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग ने संसार का तापमान इतना बढ़ा दिया है कि हिम प्रदेश पिघल जाने पर समुद्रों में बाढ़ आने और ओजोन नाम से जाना जाने वाला पृथ्वी का कवच फट जाने पर ब्रह्माण्डीय किरणों धरती की समृद्धि को भूनकर रख सकती हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशक मिलकर पृथ्वी की उर्वरता को विषाक्तता में बदलकर रखे दे रहे हैं। बढ़ते हुए कोलाहल से व्यक्ति और पगलाने लगेंगे। शिक्षा का उद्देश्य उदरपूर्ति भर रहेगा, उसका शालीनता के तत्त्वदर्शन से कोई वास्ता न रहेगा। मनुष्य जाति आज जिस दिशा में चल पड़ी है, उससे उसकी महत्ता ही नहीं, सत्ता का भी समापन होते दीखता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी कब ?

सौरभ वार्ष्णेय

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी देने के उद्देश्य से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक कदम माना गया। लेकिन यह सवाल स्वाभाविक है कि जब यह कानून संसद से पारित हो चुका है, तो इसका असर अभी तक जमीनी स्तर पर क्यों नहीं दिख रहा। दरअसल, इस अधिनियम के लागू होने में देरी का कारण इसकी संरचना और उससे जुड़ी शर्तें हैं। देश की संसद में 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया जो कि बहुत ही निराशाजनक है। संसद के विशेष सत्र में लंबी चली बहस में मतभेदों के सुर के आलावा आपसी राजनीति के आलावा कुछ समझ नहीं आया। ज्ञात रहे कि सरकार को इस संशोधन बिल को पास करवाने के लिए दो-तिहाई वोटों की जरूरत थी। लेकिन पक्ष में सिर्फ 298 वोट पड़े। विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम हैं। इस बिल को पास करवाने की नरेंद्र मोदी सरकार की हर कोशिश नाकाम साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरआत्मा की आवाज सुनने वाली अपील भी कुछ खास असर नहीं दिखा पाई। अब सवाल यह है कि अब नहीं तो महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण कब मिलेगा ? जब सितंबर २०२३ में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पास होकर उसका नोटिफिकेशन हो चुका है तो पहले आगामी चुनाव में इसे लागू कर देते और संशोधन बिल लाते रहते ? जब इसे अभी लागू ही नहीं किया तो संशोधन बिल लाने की क्या जरूरत पड़ी। महिलाओं के लिए कोटा 2034 से पहले संभव हो पाएगा या फिर बीच की कोई और राह अभी भी निकल सकती है? महिला आरक्षण बिल फिलहाल तो ठंडे बस्ते में चला गया है। ये कह पाना मुश्किल है कि बिल अब कब लागू हो पाएगा? जबकि यह अब कानून बन चुका है। इसे लागू करना हम सब सांसदों की जिम्मेदारी है।

विपक्ष लगातार ओबीसी महिलाओं के अलग कोटे की मांग कर रहा है। वह आरोप लगा रहा है कि बीजेपी महिला आरक्षण का क्रेडिट तो लेना चाहती है लेकिन ओबीसी महिलाओं को वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी देने से बच रही है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण पर फैसलों में कहा है कि कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं दिया जा सकता और ओबीसी कोटा के लिए समकालीन, भरोसेमंद तथ्यात्मक डेटा जरूरी है। यही तर्क राष्ट्रीय स्तर पर भी उठेगा। संसद चाहे तो संविधान में संशोधन कर लोकसभा-विधानसभाओं में ओबीसी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण और उसमें से ओबीसी महिलाओं का उप-कोटा तय कर सकती है। भले ही नई जातिगत जनगणना पूरी नहीं हुई हो। संविधान किसी विशेष डेटा स्रोत को अनिवार्य नहीं ठहराता। लेकिन किस जाति समूह को कितना हिस्सा मिलेगा, इसका आधार तय करने के लिए ठोस, नए और राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य जातिगत आंकड़े जरूरी होंगे। वरना अदालतों में इसे मनमाना मानकर चुनौती दी जा सकती है। अब आगे महिलाओं को ही मुखर होकर आगे आना होगा । इन पार्टियों को समझाना पड़ेगा कि आधी आबादी को संसद से क्यों वचिंत रखना चाहते हैं।

अब बात करते हैं इसके बीच के रोडे कि जिसमें परिसीमन की शर्त यानी कानून के अनुसार, संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तभी लागू होगा जब अगली जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। यानी, सीटों की नई सीमाएं तय होने के बाद ही यह आरक्षण लागू होगा। चूंकि अगली जनगणना अभी बाकी है और उसके बाद परिसीमन होना है, इसलिए कानून तुरंत प्रभाव से लागू नहीं हो सकता।

दूसरा कारण जनगणना में देरी। 2021 की जनगणना विभिन्न कारणों से टल गई थी। जब तक नई जनगणना नहीं होती, तब तक परिसीमन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकती। यह देरी सीधे तौर पर महिला आरक्षण के लागू होने को भी टाल रही है। तीसरा कारणः राजनीतिक संतुलन और आशंकाएं यानी परिसीमन के साथ ही राज्यों के बीच सीटों का संतुलन भी बदल सकता है, जिससे खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में प्रतिनिधित्व घटने की आशंका जताई जा रही है। इस कारण यह मुद्दा केवल महिला आरक्षण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि संघीय ढांचे और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ जाता है।चौथा

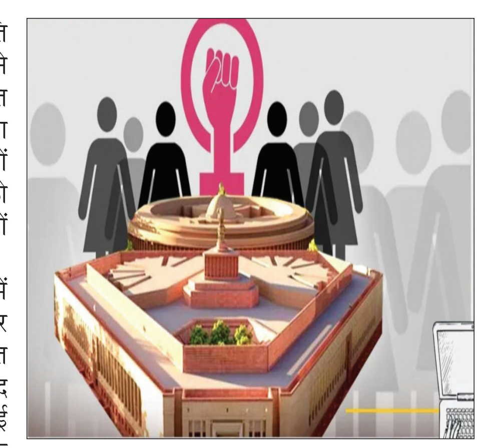

कारणः चरणबद्ध क्रियान्वयन की नीति। सरकार का तर्क है कि इतने बड़े संवैधानिक बदलाव को एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया के तहत लागू करना जरूरी है, ताकि किसी भी प्रकार का प्रशासनिक या राजनीतिक असंतुलन न पैदा हो।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना निस्संदेह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ तब मिलेगा जब इसे समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। वर्तमान स्थिति यह दशार्ती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी तेज करना आवश्यक है, अन्यथा यह कानून केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल तभी सार्थक होगी जब 'वंदनइ के साथ 'प्रतिनिधित्व भी वास्तविकता बने।

कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुस्ताअली बोहरा

ईजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में ह्लदोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीतिह्न तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए ह्लनो-फॉल्ट मुआवजा नीतिह्न तैयार करे। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सीन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था। पाठकों को याद होगा जब भी कोविड वैक्सीन के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिसीस, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था।

पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया। 19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेढ़ सौ से ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियां थी। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गई, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जाँच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी की पतली परत जमना या दिल के छोटे-छोटे हिस्सों में खून की हल्की कमी के निशान का मिलना। स्टडी में कहा गया कि ये बदलाव इतने गंभीर नहीं थे कि मौत का सीधा कारण बन सकें। एम्स स्टडी में युवाओं की अचानक मौतों का सबसे बड़ा कारण दिल से जुड़ी बीमारियां बताई गई हैं। इसके अलावा सांस की समस्याएँ और हार्ट अटैक आदि की मुख्य वजह बताई गई है। हालांकि, एम्स दिल्ली की स्टडी और रिपोर्ट पर दिगर विशेषज्ञ चिकित्सक भी सवालिया निशान लगा चुके हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में पुणे डॉक्टर अमिताभ बनर्जी ने कहा था कि स्टडी में करीब बीस प्रतिशत मामलों में मौत का कारण पता नहीं चला, क्या इन अज्ञात मामलों में कोविड वैक्सीन का कोई रोल तो नहीं? डॉक्टर अमिताभ बनर्जी भारत में इस्तेमाल हुई कोविशील्ड वैक्सीन के संदर्भ में कहते हैं यूरोप के कई देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को दुर्लभ लेकिन गंभीर साइड इफेक्ट्स जैसे ब्लड क्लॉट्स की वजह से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। उन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के उत्पादन बंद होने पर भी सवाल उठाया था। कोरोना का टीका बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ये माना था कि उसके वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है। एस्ट्राजेनेका ने ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। खैर ये माना जा सकता है कि ये साइड इफेक्ट्स रेयरेस्ट ऑफ द रेयर है लेकिन जब करोड़ों लोगों पर इसका उपयोग हो तो प्रभावितों की संख्या में अधिक हो सकती है। एम्स की रिपोर्ट भले ही ये कहती हो कि वैक्सीन का अचानक हुई मौतों खासकर युवाओं की मौतों, से कोई संबंध नहीं है लेकिन एम्स को अपनी स्टडी में यह भी बताना था कि फिर आखिर वे कौन से कारण हैं जिनसे युवाओं की अचानक मौतें हुई। अचानक होने वाली मौतों का सिलसिला तो अभी भी जारी है। बहरहाल, कोरोना का असर वैश्विक था। लेकिन, जितनी मौतें भारत में हुईं शायद ही किसी और देश में इतनी मौतें हुईं हों खासकर युवाओं की। जो भी हो, शीर्ष अदालत के इस फैसले से उन पीड़ितों को जरूर राहत मिलेगी जो वैक्सीन के विपरीत असर की वजह से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय मृतकों के परिजनों और पीड़ितों के जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगा।

मंगरोला में भगवान परशुराम का मनाया गया जन्मोत्सव

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को अक्षया तृतीय मे भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष अनुज कुमार शर्मा के कैंप कार्यालय मंगरौला मे बड़ी धूम धाम से मनाया गया। जिसमे भगवान परशुराम के चित्र पर माला अर्पण कर पुष्प अर्पित किए। जिसमे बड़ी संख्या मे ब्राह्मण विप्र बंधु उपस्थित रहे। एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित अरुण कुमार शर्मा ने सभी ब्राह्मण बंधुओं से एकजुट रहने का आवाहन किया। इस अवसर पर पंडित धीरज शर्मा, हरिओम शर्मा, पंडित गौरव शर्मा, पंडित घमंडी लाल शर्मा, पंडित अतीश शर्मा, पंडित सौरव शर्मा, पंडित प्रशांत शर्मा एडवोकेट, युवा नेता ऋतिक शर्मा, सुधीर कुमार शर्मा, अभिनव शर्मा, निशांत शर्मा, पवन शर्मा, रजनीश शर्मा, दीपक शर्मा आदि ब्राह्मण उपस्थित रहे। अंत मे जिला अध्यक्ष अनुज कुमार शर्मा ने सभी ब्राह्मण बंधुओं का आभार प्रकट करते हुए भगवान परशुराम जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

जनपद में आज से शुरू होगा जनगणना प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनगणना 2027 के पहले चरण मकान गणना एवं मकान सूचीकरण की तैयारियों को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा शनिवार को बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। डीएम द्वारा समस्त चार्ज अधिकारियों से जनगणना 2027 के संबंध में अब तक किए गए कार्यों की भी जानकारी प्राप्त की गई। जिले को कुल 3680 गणना ब्लॉकों में विभाजित किया गया है और सभी ब्लॉकों का मानचित्रण कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। बैठक में डीएम ने समस्त चार्ज अधिकारियों और एसडीएम को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 20 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 06 मई 2026 तक पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता इतनी बेहतर होनी चाहिए कि प्रगणक जनगणना संबंधी आंकड़ों को पूर्ण समझ के साथ और उच्च गुणवत्ता में एकत्रित कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशिक्षण स्थल के चयन को लेकर डीएम ने कहा कि ऐसे स्थान चुने जाएं जहां पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ एवं हवादार कमरे तथा उचित टॉयलेट व्यवस्था उपलब्ध हो। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों को आपसी सामंजस्य बनाकर प्रशिक्षण स्थलों का चुनाव करने का निर्देश दिया ताकि किसी को परेशानी न हो। निगरानी की व्यवस्था में जिले के समस्त एसडीएम को ट्रेनिंग इंचार्ज और खंड शिक्षा अधिकारियों को सहायक ट्रेनिंग इंचार्ज बनाया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैंक अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला जज / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक के निर्देशन में शनिवार को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत (09 मई) को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा में बैंकों से संबंधित अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा अभिषेक कुमार व्यास ने विभिन्न बैंकों के अधिकारियों को लोक अदालत के महत्व और इसके माध्यम से विवादों के त्वरित समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा अभिषेक कुमार व्यास ने कहा कि लोक अदालत न्याय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों को बिना किसी लंबी कानूनी प्रक्रिया के सरल, सस्ता और त्वरित न्याय मिल सकता है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/लोक अदालत नोडल अधिकारी, ज्योति चौधरी ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य लोगों को सुलभ, सस्ता और शीघ्र न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से ही यह आयोजन सफल हो सकता है। उन्होंने बैंक अधिकारियों से विशेष रूप से अपील की कि वे अपने-अपने बैंकों में लंबित ऋण वसूली, बैंकिंग विवाद और अन्य संबंधित मामलों को चिन्हित कर आगामी लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रस्तुत करें, ताकि दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से मामलों का निस्तारण कराया जा सके। उन्होंने बैठक में बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निस्तारण होने पर समय और धन दोनों की बचत होती है। साथ ही इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है। बैंकिंग मामलों में लोक अदालत एक प्रभावी माध्यम साबित हो रही है, जहां आपसी सहमति से ऋण संबंधी विवादों का समाधान किया जा सकता है। बैंक अधिकारियों ने दिया सहयोग का आश्वासन बैठक में उपस्थित बैंक प्रतिनिधियों ने भी लोक अदालत के महत्व को स्वीकार करते हुए अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को लाभ मिलता है और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव होता है। इस अवसर पर विभिन्न बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे और लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

धनौरा की रामगंगा पोषक नहर पर झाड़ियां में लगी भयंकर आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

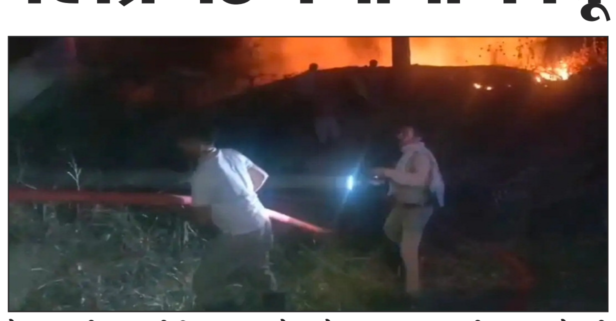

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित रामगंगा पोषक नहर के किनारे खड़ी झाड़ियां में मलकपुर और लोहड्डा गांव के बीच शनिवार की देर रात भयंकर आग लग गई जो तेजी के साथ झाड़ियां में फैलने लगी। जिससे आसपास के ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई। आग लगने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई उधर किसानों की गेहूं की फसल भी जलने से बाल बाल बच गयी। सूचना मिलती फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आज पर काबू पाया।

बता दें कि घटना उस समय हुई जब खेतों में गेहूं की फसल पककर तैयार है और कटाई का काम चल रहा है। गनीमत रही कि आग खेतों तक पहुंचने से पहले ही बुझा दी गई, जिससे बड़े आर्थिक नुकसान और संभावित जनहानि टल गई। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली कि समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया।फिलहाल झाड़ियों में आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। वन क्षेत्राधिकारी अवनीश कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था,

लेकिन बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने सूखी घास और झाड़ियों के पास लापरवाही न बरतने की अपील की।वन विभाग ने लोगों से बीड़ी-सिगरेट या अन्य जलती वस्तुएं खुले में न फेंकने की सलाह दी है। साथ ही आग लगने की स्थिति में खुद जोखिम न उठाकर तुरंत वन विभाग या फायर ब्रिगेड को सूचना देने की अपील की गई है, ताकि समय रहते नुकसान को रोका जा सके।

गजरौला में ब्राह्मण सभा ने निकाली भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला शहर में शनिवार शाम को भगवान परशुराम की शोभायात्रा को बड़े ही धूमधाम और भव्य तरीके से निकाला गया। ब्राह्मण सभा के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में भगवान परशुराम के जीवन से जुड़ी झांकियां प्रस्तुत की गईं। नगर में कई स्थानों पर शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। बता दें कि आयोजित शोभायात्रा को गजरौला शहर के माँ ललिता देवी मंदिर से पूजा-अर्चना के बाद शुरू हुई। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अभिनव कौशिक ने ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों के साथ इसका शुभारंभ किया।यात्रा में भगवान परशुराम के विभिन्न प्रसंगों को दशार्ती कई झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। साथ चल रहे बैंड-बाजे पर भगवान परशुराम के जीवन की महत्ता बताने वाले भजन गूंजते रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस भी मुस्तैद रही। मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर शोभायात्रा पुराना डाकखाना, अवन्तिकानगर, इंदिरा चौक, डिग्री कॉलेज मार्ग और खादगूजर तिराहे से होते हुए शिव इंटर कॉलेज में समाप्त हुई।इस अवसर पर ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष डॉ. रविभूषण शर्मा, पूर्व चेयरमैन रोहताश शर्मा, डॉ. प्रदीप शर्मा, महामंत्री रोहित शर्मा, डॉ. राजीव शुक्ल, डॉ. रविंद्र शुक्ल, विपिन कौशिक, शुभम उपाध्याय, अश्वनी शर्मा, विपिन सागर, देवराज शर्मा, समीर प्रभाकर, प्रमोद उपाध्याय, खेमराज शर्मा, योगेश प्रभाकर, विपिन शर्मा, देवेश शर्मा, लोकेश शर्मा, उत्तम शर्मा, संतोष शर्मा, दीपक शर्मा, वीके शर्मा, प्रमोद तिवारी, सार्थक शर्मा, मुकेश शर्मा और निगम वर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पी सी एफ द्वारा संचालित 75% केंद्रों पर बोरों के अभाव में नहीं हो पा रही तौल

बारदाने के अभाव में चार दिन से तौल बंद, आक्रोशित किसानों ने नगलिया मुंशी में किया प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सरकारी मंशा के विपरीत धरातल पर जिम्मेदारों के गैर जिम्मेदाराना रवैए के चलते किसानों का सब्र अब जवाब देने लगा है। जनपद के हसनपुर क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्रय केंद्रों पर पिछले चार दिनों से बारदाने की भारी किल्लत बनी हुई है। बारदाने न होने के कारण केंद्रों पर गेहूं की तौल पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे नाराज किसानों ने शनिवार को ग्राम नगलिया मुंशी में एकत्रित होकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि गेहूं की औसत पैदावार कम है, क्रयकेंद्रो पर तौल न होने के कारण किसान अपनी उपज को ओने पौने दामों पर बेचने को विवश हैं। किसान अपनी खून-पसीने की कमाई (गेहूं की फसल) लेकर पिछले कई दिनों से केंद्रों पर चक्कर लगा रहे हैं। कुछ किसानो ने अपनी उपज को वाहनों पर लाद रखा है। क्रय केंद्रों पर बारदाना बोरे आदि न होने के कारण तौल बंद है, । किसानों को डर है कि यदि अचानक मौसम बिगड़ता है या बारिश होती है, तो उनकी मेहनत की फसल बर्बाद हो जाएगी। साथ ही, खुले में रखी फसल की सुरक्षा को लेकर भी किसान रात-भर जागने को मजबूर हैं। प्रदर्शन के दौरान *राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों की आय दोगुनी करना है, लेकिन विभागीय अधिकारी बुनियादी सुविधाएं जैसे 'बोरे' तक उपलब्ध नहीं करा पा रहे है। सहकारी संघ कुंदरकी भूड़ के सभापति करण सिंह ने चेतावनी दी कि यदि अगले 24 घंटों के भीतर तौल प्रक्रिया सुचारू नहीं की गई, तो क्षेत्र का किसान तहसील मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन करने को विवश होगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से नरेंद्र सिंह, खड़क सिंह, होशियार सिंह, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, वीर पाल, रूपचंद सिंह, डालचंद, टेकचंद सिंह और विजेंद्र सिंह सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा के बिजली घर परिसर में भाकियू टिकैत गुट की मासिक बैठक का आयोजन

बिजली विभाग ,स्मार्ट मीटर और गैस किल्लत जैसी समस्याओं में सुधार की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के बिजली घर परिसर में रविवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया जिसमें किसानों ने अपनी समस्याओं के अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए बिजली विभाग की कार्यप्रणाली, स्मार्ट मीटर का विरोध और गैस किल्लत जैसी समस्याओं में सुधार को लेकर जोर दिया गया। बैठक के दौरान संगठन ने चेतावनी दी कि यदि किसानों का शोषण बंद नहीं हुआ तो वह आगामी समय में आंदोलन के लिए बढ़ होंगे।पंचायत में बिजली विजिलेंस टीम की कार्यप्रणाली पर गहरा रोष व्यक्त किया गया।भाकियू ने क्षेत्र में स्मार्ट मीटर का पुरजोर विरोध करने की घोषणा की।इसके अतिरिक्त, डींगरा बिजली घर से पारा मार्ग के निर्माण में आ रहे व्यवधान पर भी चेतावनी दी गई। भाकियू ने कहा कि यदि सड़क कार्य रोका गया, तो किसान सड़कों पर उतरेंगे। किसानों ने जिला प्रशासन से गेहूं क्रय केंद्रों को सुचारू रूप से चलाने की मांग की ताकि उन्हें फसल बेचने में कोई दिक्कत न हो। उन्होंने यह भी मांग की कि गेहूं की खरीद धर्मकांटे की तौल के आधार पर ही की जाए। जिला सहकारी बैंकों द्वारा किसानों से वसूले जा रहे ब्याज पर आपत्ति जताते हुए कहा गया कि शासन के निदेर्शानुसार केवल 3 प्रतिशत ब्याज ही लिया जाना चाहिए।

प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार ने गैस एजेंसी की वितरण व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गैस वितरण में सुधार न होने पर 22 अप्रैल को एसडीएम धनौरा को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो किसान गैस एजेंसी के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। बैठक की अध्यक्षता भारत सिंह त्यागी ने की और संचालन चरन सिंह ने किया। इस दौरान मुनीदेव त्यागी, मुनेश त्यागी, संजय सिंह अम्हेड़ा, राजवीर सिंह, गंगाराम, चन्द्रपाल जाटव, हफीज खां, हुस्नबानो, नूरजहाँ, सुनीत त्यागी, जयप्रकाश त्यागी, मुकेश शर्मा, कमर हैदर और धर्म सिंह सैनी सहित कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

तहसील अमरोहा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने की जनसुनवाई

मौके पर निस्तारण कराने के साथ भूमि संबंधी मामलों में राजस्व और पुलिस की टीम बनाकर भेजा गया

अमरोहा (सब का सपना):- डीएम निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थिति में शनिवार को तहसील अमरोहा के ब्लॉक सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने पूर्व तहसील दिवसों की शिकायतों की समीक्षा की और पाया कि कुछ विभागों द्वारा शिकायतों का पूर्ण रूप से गुणवत्तापरक और संतोषजनक निस्तारण नहीं किया गया। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 06, पुलिस विभाग की 08, विनियमित क्षेत्र की 01, नगर पालिका की 04, आपूर्ति विभाग की 04 और विद्युत विभाग की 04 सहित कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 04 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। भूमि संबंधी मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया।

जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से स्थलीय निरीक्षण कर निर्धारित समयावधि में शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराएं। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से त्वरित निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र सिंह, सहित जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में श्रमिकों को भड़काने व गजरौला बंद की अपील के मामले में 8 पर मुकदमा दर्ज

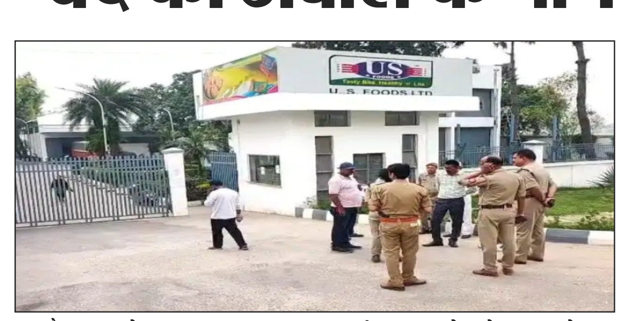

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक क्षेत्र में सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश वायरल कर 'गजरौला बंद' की अपील करने के मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।इस मामले में पुलिस ने सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बता दें कि गजरौला थाने में तैनात दरोगा सुधीर कुमार तोमर द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, कुछ व्यक्तियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में कार्यरत मजदूरों को भड़काने का प्रयास किया। आरोपियों ने 'हमारा हक-हमारी पहचान' जैसे संदेश वायरल किए, जिसमें 17 अप्रैल को गजरौला बंद करने, कंपनियों के गेट पर तालाबंदी करने और आंदोलन करने की अपील की गई थी,वायरल संदेश में दावा किया गया था कि गजरौला की फैक्टरियों में वर्षों से कार्यरत मजदूरों को उनका उचित वेतन नहीं मिल रहा है। इसमें यह भी कहा गया कि जब तक सरकार द्वारा घोषित सैलरी लागू नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। संदेश में 'मजदूर एकता जिंदाबाद' जैसे नारे भी शामिल थे, जिनका उद्देश्य श्रमिकों को एकजुट करना था।इन संदेशों के बाद शुक्रवार को मजदूरों ने फैक्टरियों के बाहर प्रदर्शन किया था। प्रशासन ने जिले की 30 से अधिक बड़ी फैक्टरियों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया था। इसके बावजूद, गजरौला स्थित यूएस फूड फैक्टरी के बाहर श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और हाईवे जाम करने की भी कोशिश की। एसडीएम और सीओ ने मौके पर पहुंचकर श्रमिकों से बातचीत की और स्थिति को नियंत्रित किया।पुलिस ने इस मामले में मोहित त्यागी, गौतम सिंह, अंकुश, अरमान, सचिन, शिवम, मनीष और गगन शर्मा सहित आठ लोगों को हिरासत में लिया था। एसपी लखन सिंह यादव ने बताया कि सभी आठ आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और लोगों से सोशल मीडिया पर किसी भी भ्रामक या भड़काऊ संदेश को न फैलाने और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई के निदेशक ने स्वच्छता के प्रति किया संदेश

प्रशिक्षुओं व स्टाफ ने ली स्वच्छता की शपथ, परिसर में चलाया विशेष अभियान

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में निदेशक विनीत तिवारी के निदेर्शानुसार स्वच्छता पखवाड़ा 13 अप्रैल से 17अप्रैल तक उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

पखवाड़े के तहत संस्थान परिसर में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। प्रशिक्षण कक्ष, कार्यालय, खुले स्थान, जल निकासी क्षेत्र तथा आसपास के मार्गों की सफाई की गई। प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने मिलकर कचरा एकत्रित कर उसका समुचित निस्तारण किया। इस दौरान संस्थान में लगे पुराने और जर्जर बैनरों को हटाकर नए बैनर लगाए गए। कंप्यूटर व अन्य कार्यालयी उपकरणों की भी साफ-सफाई की गई, जिससे कार्यस्थल अधिक स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सके। वहीं मेस में विशेष सफाई अभियान चलाकर अनुपयोगी व क्षतिग्रस्त बर्तनों को हटाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें व्यक्तिगत स्वच्छता, हाथ धोने की सही विधि, स्वच्छ पेयजल, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं को बताया गया कि नियमित साफ-सफाई से कई संक्रामक बीमारियों से बचाव संभव है। संस्थान परिसर में स्वच्छता से जुड़े पोस्टर और स्लोगन भी लगाए गए, वहीं प्रशिक्षुओं के बीच चर्चा एवं सहभागिता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए परिसर को स्वच्छ रखने और समाज में स्वच्छता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया।

संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता एक निरंतर अपनाई जाने वाली आदत है और इसे दैनिक जीवन में शामिल करना आवश्यक है। समापन पर बताया गया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जाते रहेंगे, ताकि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बनी रहे।

डीएम-एसपी ने दिखाई मानवता, सड़क हादसे में घायल को पहुंचाया अस्पताल

धनारी/संभल(सब का सपना):- जनपद में शनिवार को मानवीय संवेदनशीलता का सराहनीय उदाहरण देखने को मिला, जब गुन्नौर-बहजोई मार्ग पर थाना धनारी क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने तत्काल सहायता उपलब्ध कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी दौरान मौके से गुजर रहे जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने घटना को देखकर तुरंत अपना वाहन रुकवाया और घायल की स्थिति का जायजा लिया।

अधिकारियों ने बिना देरी किए तत्परता दिखाते हुए घायल व्यक्ति को अपनी एस्कॉर्ट वाहन के माध्यम से तत्काल नजदीकी अस्पताल भिजवाया, जिससे उसे समय रहते उपचार मिल सका।

घटना के दौरान अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई और मानवीय दृष्टिकोण की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

शिकायतों का समाधान निचले स्तर पर ही प्राथमिकता के आधार पर किया जाएः- जिलाधिकारी

संभल(सब का सपना):- जनपद में आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जिले की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील गुन्नौर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत लंबित न रखी जाए और प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान निचले स्तर पर ही प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित थानाध्यक्षों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कानून-व्यवस्था से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता बरतने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जाए। उन्होंने चकबंदी अधिकारी को विशेष निर्देश देते हुए काश्तकारों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने को कहा। साथ ही अवैध कब्जों को हटाने, आवश्यकता पड़ने पर एफआईआर दर्ज करने, धारा-24 से जुड़े मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने तथा विरासत और कुम्हारी कला से संबंधित प्रकरणों का अभियान चलाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा ग्रामवार कब्जा सूची तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अवैध कब्जों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचंद, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने भारत गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण परखी सुरक्षा व्यवस्था

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने शनिवार को थाना गन्नौर क्षेत्रांतर्गत स्थित भारत गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया गया।

अधिकारियों ने गैस एजेंसी पर अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता व उनकी कार्यशीलता, गैस सिलेंडरों के सुरक्षित भंडारण तथा वितरण व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए गैस एजेंसियों पर सुरक्षा मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिना विनियमन शुल्क संचालन पर खनन विभाग का छापा, जेसीवी और गारा मशीन जब्त

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन एवं बिना विनियमन शुल्क संचालित गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। शनिवार को थाना असमोली क्षेत्र के ग्राम असगरीपुर में बिना विनियमन शुल्क जमा किए संचालित एक ईंट भट्टे पर खनन विभाग ने छापेमारी कर दी।

खनन अधिकारी शिवम् कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान मौके से एक जेसीबी मशीन और गारा बनाने वाली मशीन को पकड़ा गया। जांच में पाया गया कि भट्टा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित किया जा रहा था और आवश्यक शुल्क जमा नहीं किया गया था।

कार्रवाई के तहत जब्त की गई मशीनों को थाना असमोली पुलिस की अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया गया है। संबंधित संचालकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और बिना अनुमति संचालित ईंट भट्टों के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ब्राह्मण शक्ति संघ द्वारा भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा का किया गया आयोजन

समाजवादी पार्टी ने ब्राह्मण समाज को दिया सर्वाधिक सम्मानः- बिमलेश कुमारी

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी की पावन धरा पर ब्राह्मण शक्ति संघ द्वारा भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन रविवार को धूमधाम के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार बताते हुए उनके शस्त्र और शास्त्र ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। आयोजन की सफलता पर ब्राह्मण शक्ति संघ का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि समाज का स्नेह ही सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान वक्ताओं ने राजनीतिक संदर्भ में समाजवादी पार्टी की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को सबसे अधिक सम्मान समाजवादी पार्टी ने दिया है। उन्होंने बताया कि पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ब्राह्मण समाज के हितैषी रहे हैं और उनके कार्यकाल में प्रबुद्ध प्रकोष्ठ सम्मेलनों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी सरकारों में ब्राह्मण समाज को विधानसभा और लोकसभा में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिला। साथ ही शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास से जुड़े कई कार्य किए गए।

कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आश्वासन दिया है कि वर्ष 2027 में सरकार बनने पर भगवान परशुराम जयंती पर अवकाश घोषित किया जाएगा, जो मुलायम सिंह यादव के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। शोभायात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में चार परिवारों को मिलाया

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति स्थित महिला थाना बहजोई में आयोजित की गई।

बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को काउंसलर्स की सहायता से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 88 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 23 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं 4 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाया गया। इसके अलावा 4 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई, जबकि 15 मामलों में आवेदकों द्वारा आगे कार्रवाई में रुचि न लेने के कारण उन्हें बंद कर दिया गया।

बैठक में काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लवमोहन वार्ष्णेय, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्या, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी सहित कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत एवं महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर काटे गए 613 चालान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में रविवार को यातायात पुलिस द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर चैकिंग की गई। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ा प्रहार करते हुए यातायात पुलिस द्वारा पटाखों जैसी तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, मानक के विरुद्ध नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेल्मेट तथा वाहनों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कुल 613 चालान किए गए।

शहर के चौराहों और तिराहों से अतिक्रमण हटवाया गया। जोया चौराहे पर सड़क के किनारे नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस द्वारा स्पीड लेजर गन से ओवर स्पीड में चलते 50 वाहनों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गई। मोडिफाइ साइलेन्सर, हूटर से सम्बन्धित अभियान के अन्तर्गत उल्लंघन करने वाले 30 वाहन चालकों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गई।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने को प्रशासन सतर्क, जागरूकता पर जोर

बहजोई/संभल (सब का सपना):- नागरिक समाज संगठन प्रयत्न की पहल पर शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और आंगनवाड़ी कार्यकताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी अक्षय तृतीया के अवसर पर संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता, निगरानी और प्रभावी कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान उन बच्चों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने स्वयं सूचना देकर अपना बाल विवाह रुकवाया, साथ ही बाल विवाह की रोकथाम में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को भी सम्मानित किया गया। बैठक में 100 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, डिप्टी चीफ डीएलएसए चंद्रपाल सिंह, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, सदस्य गौरव शर्मा, नूतन चौधरी, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के दिल्ली मुख्यालय से आई जिंसी जॉन, गुरप्रीत संधू, प्रयत्न संस्था के सम्भल प्रभारी गौरीशंकर चौधरी, फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद व रमन सहित कई लोग मौजूद रहे। बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने बाल विवाह रोकने में आने वाली जमीनी चुनौतियों को साझा किया, जिस पर अधिकारियों ने समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार ने कहा कि बाल विवाह रोकने में आंगनवाड़ी कार्यकताओं, बाल विवाह निषेध अधिकारियों और नागरिक समाज संगठनों की भूमिका सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे स्वयं आगे आकर अपना विवाह रुकवा रहे हैं, वह समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह गांव-गांव में चलाए गए जागरूकता अभियानों और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि संभल को बाल विवाह मुक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है और इस दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन है, जिसे रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गौरतलब है कि ह्यप्रयत्नह्ण संगठन बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए कार्यरत देश के सबसे बड़े नेटवर्क ह्यजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेनह्ण से जुड़ा हुआ है। संगठन द्वारा जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई जा चुकी है। हाल ही में ह्यबाल विवाह मुक्ति रथह्ण के माध्यम से गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

800 बीघा सरकारी भूमि पर कब्जे का आरोप, फसल को लेकर बढ़ी चिंता

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम तरकुलपुर खास में ग्राम समाज की करीब 800 बीघा भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने कथित मिलीभगत के चलते सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है और खेतों में खड़ी फसल को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि पर कब्जे का विवाद है, वहां इस समय गेहूं की फसल तैयार खड़ी है। ऐसे में फसल के नष्ट होने का खतरा बना हुआ है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मामले में असलम मौलवी, शिब्बू समेत कुछ अन्य लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। वहीं ग्रामीणों ने तहसील, वन विभाग और सिंचाई विभाग के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि बिना संरक्षण के इतना बड़ा कब्जा संभव नहीं है। इस प्रकरण को लेकर कुलदीप सिंह एडवोकेट ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। तहसील दिवस में शिकायत पहुंचने पर जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को भूमि कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए हैं।

हालांकि, खड़ी फसल को लेकर प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट निर्णय सामने नहीं आया है, जिससे ग्रामीणों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि फसल को लेकर विवाद और गहरा सकता है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

स्योहारा के खलीललपुर में जल भराव से नारकीय जीवन, बीडीओ को स्मरण पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- विकास खंड स्योहारा के अंतर्गत आने वाले ग्राम खलीललपुर की राम विहार कॉलोनी और विकास नगर के निवासी पिछले काफी अरसे से जल भराव और जल निकासी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन को बार-बार सूचना देने के बावजूद अब तक इस समस्या का कोई मुकम्मल हल नहीं निकाला गया है, जिससे क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने बीती 18 मार्च 2026 को खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) स्योहारा को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर जल निकासी के लिए नाली निर्माण की गुहार लगाई थी। उस वक्त बीडीओ ने ग्राम पंचायत सचिव को मौके की जाँच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। लेकिन एक सप्ताह से ज्यादा वक्त गुजर जाने के बाद भी धरातल पर कोई ठोस काम शुरू नहीं हो सका। इसी बेरुखी से नाराज होकर ग्रामीणों ने पुनः स्मरण पत्र (रिमाइंडर) सौंपकर हुक्मरानों को उनकी जिम्मेदारी याद दिलाई है। कॉलोनी में गंदे पानी की निकासी न होने की वजह से सड़कों ने जोहड़ का रूप ले लिया है। गंदे पानी के जमाव से क्षेत्र में भयंकर बदबू फैल रही है और मच्छर पनप रहे हैं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने की प्रबल आशंका है। पानी की वजह से पक्की सड़कें टूट चुकी हैं और गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें गिरकर स्कूली बच्चे और बुजुर्ग आए दिन चोटिल हो रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव की वजह से उनका घरों से निकलना दूभर हो गया है और वे नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने अपनी इस शिकायत की प्रतिलिपि विधायक धामपुर अशोक कुमार राणा, ब्लॉक प्रमुख स्योहारा उज्जवल चौहान और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बिजनौर को भी भेजी है। प्रार्थना पत्र पर मुख्य रूप से विशाल त्यागी, मीनू, इकरार, कविता, कमल, तेजपाल सिंह और सत्यम कुमार सहित समस्त ग्रामवासियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नाली निर्माण या जल निकासी का पुख्ता इंतजाम नहीं किया गया, तो वे उच्चाधिकारियों के दफ़्तर पर दस्तक देंगे।

स्मार्ट मीटर पर बवाल, महिलाओं ने लगाए धांधली के आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ते असंतोष के बीच मंडावर क्षेत्र में महिलाओं का गुस्सा खुलकर सामने आया। बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी और मीटर से जुड़ी समस्याओं से परेशान महिलाओं ने विद्युत उपकेंद्र पहुंचकर अधिशासी अभियंता और उपखंड अधिकारी का घेराव करते हुए जोरदार हंगामा किया।

बताया गया कि विद्युत विभाग के अधिकारी उपभोक्ताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पहुंचे थे, लेकिन वहां पहले से मौजूद महिलाओं ने उन्हें घेर लिया और अपनी समस्याएं रखीं। महिलाओं का कहना था कि पहले उनके बिजली बिल बेहद कम आते थे, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल हजारों रुपये में पहुंच गया है, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

उपभोक्ता सलमा ने आरोप लगाया कि बिल जमा करने के बावजूद बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई और कई बार भुगतान कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। अन्य महिलाओं ने भी बिलों में असामान्य वृद्धि और विभागीय लापरवाही पर नाराजगी जताई।

अधिशासी अभियंता संजय कुमार भारती ने बताया कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था में उपभोक्ताओं को पहले से रिचार्ज कराना होता है। वहीं उपखंड अधिकारी एम.पी. सिंह ने बिजली दरों और स्थायी शुल्क की जानकारी देते हुए मीटर के फायदे गिनाए। उन्होंने कहा कि इससे गलत बिल, विलंब शुल्क और बकाया जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी तथा उपभोक्ता अपने खर्च पर नियंत्रण रख सकेंगे। हालांकि, महिलाओं ने इन तर्कों को नकारते हुए अपनी शिकायतें लिखित रूप से दर्ज कराईं और जल्द समाधान की मांग की। हंगामे के दौरान सलमा, लाडो सैनी, सविता सैनी, मुनेश सैनी सहित कई उपभोक्ता मौजूद रहे।

डेटिंग ऐप का जाल, बुजुर्ग को बुलाकर लूट, 4 आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग का एक और खतरनाक चेहरा थाना कोतवाली शहर क्षेत्र में सामने आया है, जहां एक 69 वर्षीय बुजुर्ग को डेटिंग ऐप के जरिए फंसाकर सुनसान बाग में ले जाकर मारपीट और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान बेबी नाम की फर्जी आईडी से हुई, जिसे आरोपी समीर चला रहा था। बातचीत के बाद 17 अप्रैल 2026 को बुजुर्ग को मिलने के बहाने बुलाया गया। तय योजना के तहत आरोपी मोनिश उन्हें बाइक पर बैठाकर सुनसान बाग में ले गया, जहां पहले से मौजूद समीर, आकिल, अनस, फरहान और फरदीन ने मिलकर उन्हें घेर लिया।

मारपीट कर जेवर व नकदी लूटी

आरोपियों ने बुजुर्ग के साथ मारपीट कर गले की सोने की चेन और अंगूठी छीन ली। इसके बाद उनका मोबाइल फोन लेकर जबरन पासवर्ड हासिल किया और करीब 65 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए।

घटना के बाद 18 अप्रैल को पीड़ित के बेटे की तहरीर पर थाना कोतवाली शहर में मु0अ0सं0 299/2026 धारा 309(6) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी मोनिश, समीर, आकिल और अनस को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की अंगूठी, चेन और करीब 42,380 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। साक्ष्य के आधार पर मामले में धारा 317(2) बीएनएस की भी बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के दो सदस्य फरहान और फरदीन अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने पहले से योजना बनाकर डेटिंग ऐप के माध्यम से बुजुर्ग को फंसाया और सुनसान स्थान पर बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। लूटी गई रकम आपस में बांट ली गई थी। यह घटना एक बार फिर संकेत देती है कि सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है। अनजान लोगों से ऑनलाइन संपर्क करते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है, अन्यथा छोटी सी लापरवाही गंभीर अपराध का कारण बन सकती है।

फिलहाल पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ ने मेधावी युवाओं का किया सम्मान, गांव में बना उत्सव जैसा माहौल

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ द्वारा वर्ष 2025-26 में सरकारी नौकरियों में चयनित प्रजापति समाज के युवाओं के सम्मान में ग्राम मीठेपुर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और कार्यक्रम एक प्रेरणादायी समारोह में बदल गया।

कार्यक्रम में चयनित युवाओं को मंच पर आमंत्रित कर शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच से वक्ताओं ने कहा कि इन युवाओं की मेहनत और सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इसे नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा बताते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें ईमानदारी और समर्पण के साथ देश सेवा करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरते हैं और युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस दौरान भाजपा जिला मंत्री जयवीर पंचवल को भी पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं कमलेश प्रजापति को महिला जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने की घोषणा भी की गई।

महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के प्रतिभाशाली और परिश्रमी बच्चों को प्रोत्साहित करना संगठन की प्राथमिकता है, ताकि वे आगे बढ़कर समाज और देश का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक और समाजसेवी मौजूद रहे, जिन्होंने सम्मानित युवाओं का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिजनौर में गुलदार का आतंक, फिर एक तेंदुआ पकड़ा गया

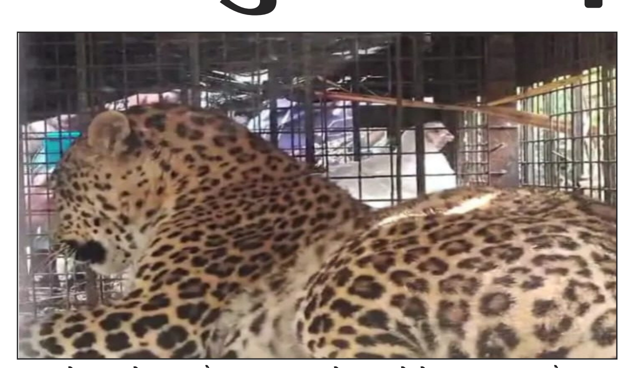

बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर क्षेत्र के मुकर्रमपुर गांव में रविवार सुबह वन विभाग की कार्रवाई में एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। यह गुलदार गांव में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री के पास लगाए गए पिंजरे में फंसा। वन विभाग के अनुसार, इसी क्षेत्र में कुछ समय पहले एक बच्ची पर हमले की घटना के बाद लगातार गुलदार की तलाश की जा रही थी। घटना के बाद से गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ था और ग्रामीणों ने कई बार वन विभाग से कार्रवाई की मांग की थी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक गुलदार को पिंजरे समेत अपने कब्जे में लेकर धामपुर रेंज कार्यालय पहुंचाया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि गुलदार पूरी तरह सुरक्षित है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में मजदूरों के समर्थन में निकले प्रतिनिधिमंडल को किया गया हाउस अरेस्ट

हापुड़ (सब का सपना):- नोएडा में मजदूरों के समर्थन में निकले नैशनल लोकतांत्रिक पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को उस समय हाउस अरेस्ट कर दिया गया जब वह हापुड़ से नोएडा के लिए जा रहे थे। आपको बता दे कि पार्टी के जिला उपाध्यक्ष तनुज कश्यप को 18 अप्रैल रात्रि 12:00 बजे हाउस अरेस्ट किया गया। पार्टी का आरोप है कि यह कार्रवाई मजदूरों की आवाज को दबाने की सुनियोजित कोशिश है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुहैल चौधरी ने कहा कि सरकार एक तरफ "विकास" के दावे करती है, दूसरी तरफ उसी विकास की नींव रखने वाले मजदूरों की आवाज को कुचलने का काम करती है।

पार्टी ने कहा कि वे मजदूरों के ₹20,000 न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। पार्टी ने सरकार को चेतावनी दी है कि दमन से आवाज दब नहीं सकती, बल्कि यह आंदोलन और मजबूत होगा।

आंधी से गिरा बिजली का खंबा, नलकूप बंद किसान परेशान

खानपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- बीते दिन आंधी आने की वजह से किसान के नलकूप को बिजली पहुंचाने वाले लाइन का पोल गिर गया, जिसकी वजह से किसान के नलकूप पर बिजली नहीं पहुंच रही है और मक्का की फसल को नुकसान हो रहा है। किसान अजीत शर्मा ने बिजली विभाग के अधिकारियों से बात की, लेकिन उन्होंने किसान को यह कहकर टरका दिया कि विभाग के पास बिजली के पोल नहीं हैं। अगर आप खंबे की व्यवस्था कर लो तो लाइन चालू कर दी जाएगी। नहीं तो आपको बिजली के पोल आने का इंतजार करना पड़ेगा।

किसान का कहना है कि यदि समय रहते बिजली का पोल नहीं लगाया गया तो खेत में खड़ी मक्के की फसल बेकार हो जाएगी और लाखों का नुकसान हो सकता है। सवाल यह भी उठता है कि क्या बिजली विभाग के पास पोल नहीं है और यदि ऐसे ही किसान को टरकाया गया है तो फिर किसान की फसल के नुकसान का जिम्मेदार कौन होगा?

भगवान परशुराम जयंती पर केशोपुर सठला में किया गया हवन पूजन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- बीबीनगर क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा केशोपुर सठला में भगवान परशुराम जयंती हवन पूजन कर धूम धाम से मनाई गई। नरेंद्र गौड़, शिवकुमार शर्मा, राकेश शर्मा बेनीपुर, भूपेंद्र शर्मा, प्रमोद शर्मा, रब्बो पंडित द्वारा भगवान परशुराम को पंचस्नान कराया गया।

तत्पश्चात आचार्य ओमवीर वशिष्ठ द्वारा मंत्रोच्चार कर भगवान परशुराम जी का मंत्रों से माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किए गए फिर हवन का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा बारी बारी से आहुतियां दी गई।

इस अवसर पर शिवकुमार शर्मा कपड़े वाले, प्रमोद शर्मा वकील साहब, गौरव शर्मा, कांति शर्मा, हर्ष गौड़, गोविंद गौड़, नीरज शर्मा एल आई सी, भूपेंद्र शर्मा, अभिषेक शर्मा, धनेश शर्मा, पंकज लुहार इत्यादि कस्बा निवासियों ने भगवान परशुराम जी को पुष्प अर्पित किए।

डिबाई में नारी शक्ति वन्दन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- डिबाई के त्रिवेणी दत्त वृहमचारी सरस्वती विध्या मन्दिर में नारी शक्ति वन्दन का एक भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक सीपी सिंह लोधी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र की हजारों महिलाओं को नारी सशक्तिकरढ का एक मजबूत एवम सशक्त संदेश दिया।इस कार्यक्रम में डिबाई क्षेत्र की हजारों महिलाओं ने भाग लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराकर अपनी एक जुटता और जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान विधायक सीपी सिंह लोधी ने मंच से कहा कि आज के दौर में महिलाएं पुरूषों से कंधा से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही हैं देश की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नहीं हैं।विधायक सीपी सिंह लोधी ने कार्यक्रम में सभी महिलाओं से सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

भाविप डिबाई ने प्रांत में लहराया परचम

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारत विकास परिषद की डिबाई शाखा ने प्रांतीय स्तर पर आयोजित वर्ष 2025-26 हेतु मूल्यांकन- आभार कार्यक्रम में शाखा स्तर पर राष्ट्रीय, सामाजिक और संस्कार कार्यक्रमों के विस्तृत सफल आयोजन कर छः प्रांतीय पुरस्कार अपनी झोली में डाल पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रांत में अपना परचम लहराया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रांत की शाखाओं द्वारा गत वर्ष किये कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर उत्कृष्ठ शाखाओं को पुरस्कृत कर आभार कार्यक्रम के माध्यम से सम्मानित किया जाता है। डिबाई को प्राप्त पुरस्कारों में सचिव वी . के. राय को सर्वाधिक विद्यार्थियों का महासमूहगान, सर्वाधिक विद्यालयों में गुरुवंदन-छात्र अभिनंदन, मनोज कुमार प्रधानाचार्य द्वारा आयोजित मेधावी छात्र सम्मान, नौरंगी लाल को श्रेष्ठ शाखा कोषाध्यक्ष, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र और नवप्रकल्प रूप सज्जा प्रशिक्षण हैं। इसी के साथ भारत विकास परिषद की शाखा द्वारा आयोजित आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम जिसमें पांच युगलों का विवाह संपन्न हुआ में सहभागिता हेतु भी डिबाई शाखा के सदस्यों को सम्मानित किया गया। प्रांत द्वारा गाजियाबाद के विवेकानंद सरस्वती इंटर कालेज में आयोजित आभार कार्यक्रम में डिबाई शाखा की ओर से प्रांतीय परिषद सदस्य पी. पी. सिंह, निवर्तमान सचिव वी. के. राय, कोषाध्यक्ष नौरंगी लाल और मनोज कुमार प्रधानाचार्य ने सहभागिता की।

पीएनबी का रिटेल आउटरीच कार्यक्रम, 25 करोड़ से अधिक ऋण वितरित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय, बुलंदशहर परिसर में रिटेल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान कार्यालय द्वारका, दिल्ली से पधारे उप महाप्रबंधक सुनील कुमार ने किया। आउटरीच कार्यक्रम के दौरान बैंक द्वारा लगभग 150 से अधिक ग्राहकों को 25 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राहकों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं से जोड़ते हुए वित्तीय सेवाओं का विस्तार करना रहा। इस अवसर पर मंडल प्रमुख हेमंत सिंह सोनगरा, उप मंडल प्रमुख अंकुर लोढ़ा, एमसीसी प्रमुख रविंदर, अग्रणी जिला प्रबंधक धीरज कुमार झा, रैम प्रमुख अभिषेक कुमार बाबुल सहित मुख्य प्रबंधक तेजवीर सिंह, रणजीत रंजन, निशा श्रीनिवासन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गांव के ही कुछ लोगों पर महिला ने लगाया ट्रैक्टर से टक्कर मारने का आरोप, थाने मे दी तहरीर

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव अभयपुर निवासी एक महिला ने गांव के ही निवासी कुछ लोगों पर ट्रैक्टर से टक्कर मार कर घायल करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीडित जितेन्द्र पुत्र चमन सिंह निवासी ग्राम अभयपुर थाना अगौता जनपद बुलंदशहर ने थाने में तहरीर देते हुए कहा कि मेरी पत्नी प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह अपने खेतों पर काम करने गई थी, तब वहां से लौटते समय सुबह करीब 7 बजे चकरोड पर गांव के ही मयंक पुत्र राजकुमार उर्फ राजू निवासी अभयपुर ने अपने जोहन डियर ट्रैक्टर को लापरवाही से चलाते हुए जान से मारने की नीयत से टक्कर मार दी, जिससे मेरी पत्नी को गंभीर व गुम चोटें आयी, ऐसी स्थिति में गांव के लोग उसे उठाकर घर लाये तब प्रार्थी को पता चला। तभी उनके पीछे-पीछे मयंक पुत्र राजकुमार उर्फ राजू, रतन सिंह पुत्र मंगल सिंह, बंटी उर्फ गब्बर, राजकुमार उर्फ राजू पुत्र रतन सिंह व आर्यन पुत्र बंटी उर्फ गब्बर समस्त निवासी ग्राम अभयपुर थाना अगौता जनपद बुलंदशहर ने बुरी-बुरी गालियां देते हुए प्रार्थी के घर में घुस आए और कहां की घटना की अगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की कोशिश की तो जान से मार देंगे,प्रार्थी ने जब इसका एतराज किया तो मेरे साथ भी उक्त लोगों ने लात घूंसों से मारपीट की तब शोर सुनकर मेरा भाई प्रमोद व तुषार पुत्र जोगिंदर व मोहल्ले के अन्य लोग इकट्ठा हो गए, जिनके आने पर ये सभी लोग मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। प्रार्थी अपनी पत्नी के इलाज के लिए सीएचसी रैना ले गए जहां से पीड़ित को जरुरी इलाज के लिए जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

पीड़ित ने उक्त लोगों से अपने और परिवार को जान का खतरा बताते हुए थाने में तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ऑल इंडिया लॉर्यस यूनियन के संरक्षक शीशपाल सिंह बने सिविल बार एसोसिएशन बुलंदशहर के अध्यक्ष

बुलंदशहर (सब का सपना):- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के सदस्य शाहिद मलिक एडवोकेट ने ऑल इंडिया लॉर्ड यूनियन के सचिव बनने के बाद अपने चेंबर पर जिला कमेटी की मासिक बैठक का आयोजन किया। जिसमें अध्यक्ष तेजपाल सिंह, पूर्व महासचिव एवं ऑल इंडिया लॉर्ड्स यूनियन के सचिव रह चुके उमेश कौशिक , मिडिया प्रभारी शैलेंद्र कुमार, हुकम सिंह सहित अन्य पदाधिकारीयों ने सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शीशपाल सिंह, महासचिव रणधीर सिंह यादव एवं उपाध्यक्ष को फूलमाला पहनाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान अधिवक्ता हित में ठोस कदम उठाने के लिए बैठक में अहम फैसले गए। जिसमें अधिवक्ताओं के हितों की बात की गई और भारतीय संविधान के बारे में विचार रखे गए तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष, सिविल बार एसोसिएशन, बुलंदशहर वरिष्ठ अधिवक्ता शीशपाल सिंह एडवोकेट सदस्य ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन जिला कमेटी, बुलंदशहर एवं अन्य पदाधिकारीयो को बधाई दी गई एवं उन्हें फूल माला पहनकर सम्मानित किया गया। पूर्व में भी ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन जिला कमेटी बुलंदशहर के सदस्य उमेश कौशिक, एडवोकेट डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन बुलंदशहर के महासचिव रह चुके हैं। इस दौरान बताया गया कि ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन पूरे भारतवर्ष का एक ऐसा संगठन है जो बहुत ही मजबूती से अधिवक्ता हितों के लिए पूरी शिद्दत के साथ कार्य कर रहा है तथा इस मीटिंग में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट के बारे में भी चर्चा की गई। मीटिंग में ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन जिला कमेटी बुलंदशहर के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता बशीर अहमद एडवोकेट, हुकम सिंह एडवोकेट अध्यक्ष तेजपाल सिंह एडवोकेट सचिव मोहम्मद शाहिद मलिक एडवोकेट रनवीर सिंह एडवोकेट वीरेंद्र सिंह लोधी एडवोकेट उमेश कौशिक एडवोकेट पूर्व महासचिव कुमारी बबीता रानी एडवोकेट रविंद्र सिंह एडवोकेट राम गोपाल एडवोकेट व अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बुलन्दशहर (सब का सपना):- नगर के कचहरी रोड स्थित महर्षि परशुराम भवन में भगवान परशुराम जन्मोत्सव हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री यज्ञ एवं विशेष आहुति के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश पाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की, वहीं अतिथियों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान हनुमान जी की आकर्षक झांकी भी प्रस्तुत की गई।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन और पराक्रम पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक प्रदीप चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान, पूर्व एमएलसी डॉ. सतीश शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में संस्थापक सदस्य बी.डी. शर्मा एवं अध्यक्ष संजीव शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर धनेन्द्र शर्मा, खूबचन्द्र शर्मा, शिवम शर्मा, प्रदीप शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, हरीश प्रधान, मुकेश चंद, कान्ति स्वरूप, मनोज तलवार, वीरेन्द्र कुमार शर्मा, कृषिपाल शर्मा, भूपेन्द्र गौड़, शैलेन्द्र त्रिवेदी, डॉ. दिग्विजय सिरोही, दीप्ती मित्तल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरियाणा निकाय चुनाव के कानून में नहीं है पार्टी सिंबल का प्रावधान, फिर भी सभी दल उम्मीदवारों को दे रहे चुनाव चिन्ह

चंडीगढ़। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने निकाय चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ने की घोषणा कर दी है। दिलचस्प बात यह कि हरियाणा के म्युनिसिपल कानून में निकाय चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ने का प्रविधान ही नहीं है। हरियाणा म्युनिसिपल अधिनियम 1973, हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 एवं अन्य निर्वाचन नियमों में राजनीतिक दल का उल्लेख तक नहीं है। वर्षो से राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आदेश मात्र से उम्मीदवारों को राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न आवंटित किए जा रहे हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट और म्युनिसिपल कानून के जानकार हेमंत कुमार ने बताया कि उनके लिखित आवेदन पर राज्य निर्वाचन आयोग ने चार वर्ष पूर्व 28 फरवरी 2022 को प्रदेश सरकार को कानून और नियमों में संशोधन कर उनमें राजनीतिक दल की परिभाषा डालने और निर्वाचित प्रतिनिधियों पर दल-बदल विरोधी प्रविधान लागू करने का प्रस्ताव भेजा गया था। इसे प्रदेश सरकार ने नामंजूर कर दिया।

यही नहीं, आज से चार महीने पूर्व हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सदन द्वारा पारित नए हरियाणा नगर निकाय विधेयक 2025, जो हरियाणा के दोनों मौजूदा म्युनिसिपल कानूनों का स्थान लेगा, में भी राजनीतिक दल या दल-बदल विरोधी संबंधी कोई प्रविधान नहीं डाला गया है। अगर मात्र निर्वाचन आयोग के आदेश से राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न आवंटित करना कानूनन संभव होता, तो वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा को अपने संबंधित कानून में संशोधन करने की क्या आवश्यकता थी।

गुरुग्राम में होगी कैबिनेट बैठक, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के 16.5 लाख रुपये के 'पीनल रेंट' माफी पर फिर होगी चर्चा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 22 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। इस बार पूरी सरकार गुरुग्राम में जुटेगी, जहां बुधवार सुबह नौ बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। इससे पहले आठ अप्रैल को कैबिनेट बैठक बुलाई गई थी, जिसमें कई अहम निर्णय लिए गए थे आगामी बैठक में करीब एक दर्जन प्रस्तावों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकारी कोठी का पीनल रेंट माफ करने का प्रस्ताव लाया जा सकता है। हुड्डा पर करीब साढ़े 16 लाख रुपये का पीनल रेंट बकाया है।इससे पहले भी मंत्रिमंडल की बैठक में यह प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब तीन कैबिनेट मंत्रियों ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज करा दी थी। मंत्रियों का तर्क था कि पहले संबंधित विभाग से कोठी के रखरखाव पर हुए मेंटेनेंस, बिजली, पानी और मैनपावर सहित सभी खर्चों का विस्तृत ब्योरा लिया जाए।जब तक कुल बकाया और वास्तविक खर्च की पूरी तस्वीर सामने नहीं आती, तब तक किसी भी तरह की राहत देने का निर्णय जल्दबाजी माना जाएगा। इसके बाद प्रस्ताव को अगली बैठक तक टाल दिया गया था। अब संभावना जताई जा रही है कि संबंधित विभाग से पूरी जानकारी मिलने के बाद यह मुद्दा अगली कैबिनेट बैठक में फिर से उठाया जाएगा।

एशियन गेम्स में चमकेगा हरियाणा, भारतीय कबड्डी टीम में प्रदेश का दबदबा; चरखी दादरी की रितु को मिली कप्तानी

चरखी दादरी। अगले सप्ताह चीन में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में बीच कबड्डी टीम में हरियाणा का दबदबा देखने को मिलेगा। चीन में आयोजित एशियन गेम्स के लिए चयनित भारतीय महिला कबड्डी टीम में छह में से कप्तान सहित तीन खिलाड़ी हरियाणा से हैं। जिनमें एक चरखी दादरी जिले से व दो हिसार की खिलाड़ी शामिल है। भारतीय टीम में आधे खिलाड़ी छोटे से प्रदेश हरियाणा से हैं जो गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि चीन में 22 से 27 अप्रैल तक छठे एशियन बीच गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए चयनित छह सदस्यीय टीम में तीन हरियाणा से है। इस टीम में चरखी दादरी से रितु श्योराण, हिसार जिले से मनीषा कुमारी और निकिता चयन हुआ है। इसके अलावा बची हुई तीन खिलाड़ी अलग-अलग प्रदेश राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और पंजाब से हैं। टीम में रितु राइटर कार्नर, मनीषा लेफ्ट कार्नर और निकिता रेडर की भूमिका निभाएंगी। टीम के खिलाड़ियों को देखकर एशियन बीच गेम्स में भारतीय महिला कबड्डी टीम में हरियाणा का दबदबा साफ नजर आ रहा है। हरियाणा से चयनित कई खिलाड़ी छह सदस्यीय महिला कबड्डी टीम में से तीन खिलाड़ी हरियाणा से चयनित की गई हैं। वहीं पुरुष टीम में भी हरियाणा के सोनीपत जिले के नीरज नरवाल को शामिल किया गया है जो प्रदेश की मजबूत खेल संस्कृति और प्रतिभा को दशार्ता है।खास बात यह है कि महिला टीम की कमान चरखी दादरी की उभरती खिलाड़ी रितू श्योराण को सौंपी गई है, जिससे जिले और प्रदेश में खुशी का माहौल है। वाइब्रेंट एकेडमी निदेशक मास्टर नवीन श्योराण के अनुसार बीच कबड्डी में चार खिलाड़ी खेलते हैं और दो अतिरिक्त होते हैं। उसी के चलते छह सदस्यीय टीम का चयन हुआ है। दादरी जिले के बिलावल निवासी रितु श्योराण वाइब्रेंट एकेडमी हंसावास खुर्द में अभ्यास करती हैं। वे बीते दिनों हुए महिला कबड्डी विश्वकप टीम का हिस्सा थी जिसमें भारत को जीत मिली थी। अब वे भारतीय टीम की कप्तान चुनी गई है। जो राइट कार्नर खेलते हुए टीम को मजबूती प्रदान करेंगी। रितू का चयन कप्तान के रूप में होना उनके निरंतर मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर भी उनके चयन को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। महिला टीम में हिसार जिले के भिवानी रोहिल्ला निवासी मनीषा और हसनगढ़ निवासी निकिता को भी शामिल किया गया है।

पानीपत के समालखा मंडी में बारदाने की कमी से उठान ठप, खुले आसमान के नीचे भीगने के कगार पर लाखों क्विंटल अनाज

समालखा। अनाज मंडी में गेहूं की आवक घटने लगी है। वहीं खरीद एजेंसियों के पास बारदाने की कमी से सड़कों और चबूतरों पर खुले में रखे लगे गेहूं के ढेरों की भराई नहीं हो रही है। गेहूं के ढेर को भीगने का खतरा है। किसानों और एजेंसियों के 4.73 लाख क्विंटल गेहूं मंडी में पड़े हैं, जिनमें अधिकांश खुले तो कुछ शेड के अंदर हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से अभी तक आढ़तियों को बारदाने नहीं मिले हैं, जबकि एक लाख क्विंटल से अधिक की खरीद उसने की है। हैफेड के पास भी करीब एक लाख बारदाने की कमी है, जिससे उनकी भी भराई बाधित हो रही है। हरियाणा वेयर हाउस ने बारदाने के हिसाब से खरीद की है।उल्लेखनीय है कि शनिवार को 18,250 क्विंटल गेहूं की आवक अनाज मंडी में हुई है। वहीं 74,571 क्विंटल की खरीद खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने की है। अभी तक मंडी में 7,73,125 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है, जिनमें 5,98,878 क्विंटल की खरीद चार एजेंसियों ने की है हैफेड ने सर्वाधिक 2,71,362 क्विंटल की खरीद और 92 हजार क्विंटल का उठान किया है। वहीं हरियाणा वेयर हाउस ने 94, 553 क्विंटल की खरीद और 33 हजार क्विंटल का उठान किया है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 1,32,028 क्विंटल की खरीद की है। एफसीआई ने 945 क्विंटल की खरीद और उठान किया है। अभी तक 5.99 लाख क्विंटल में केवल 1.26 लाख क्विंटल का कुल उठान हुआ है। हैफेड ने 24.77 प्रतिशत और वेयर हाउस ने 34.90 प्रतिशत का उठान किया है। कुल खरीद के करीब 78.97 प्रतिशत गेहूं का उठान होना शेष है। मौसम के बदलते मिजाज से किसान, आढ़तियों सहित एजेंसी के कर्मचारियों की रूह कांप रही है। गेहूं के भींगने और खराब होने का डर सता रहा है।

आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान बलजीत सिंह ने बताया कि खाद्य आपूर्ति विभाग से अभी तक बारदाना नहीं मिला है।

वहीं हैफेड ने शुक्रवार को करीब 50 हजार बारदाना भेजा था, जिसे वापस कर लिया गया है। बारदाना के अभाव में गेहूं की कट्टों में भराई और उठान प्रभावित हो रही है।वहीं मार्केट कमेटी सचिव सविता जैन ने बताया कि बारदाने की कमी को लेकर रविवार को एजेंसियों के मुखिया से बात की जाएगी। खुले में रखे गेहूं को भराने का प्रयास किया जाएगा।

भिवानी की नायब सूबेदार प्रीति पंवार का स्वर्णिम पंच, एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर रचा इतिहास

भिवानी। मुक्केबाजी के रिंग में भिवानी की बेटी 54 किलोग्राम भार वर्ग में प्रीति पंवार ने ऐसा पंच लगाया, जिसकी गूंज एशिया तक सुनाई दी। भारतीय सेना में नायब सूबेदार बनने के बाद पहली ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि सेना में भर्ती के बाद इतना बड़ा मुकाम हासिल करना हर खिलाड़ी के लिए सपना होता है। प्रीति ने न सिर्फ उस सपने को पूरा किया, बल्कि देश का मान भी बढ़ाया। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अप्रैल 2026 में मंगोलिया में आयोजित एशियन बाक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय सेना के मुक्केबाजों को सम्मानित किया। टीम के कोच सूबेदार मोहम्मद ऐतेशामुद्दीन को भी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन और अहम योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पदक विजेता को 75 हजार रुपये की सम्मान राशि भी प्रदान की गई। परिवार का साथ, चाचा से मिली राह गांव बड़ेसरा की रहने वाली प्रीति की सफलता के पीछे परिवार का बड़ा योगदान है। पिता सोमबीर सिंह हरियाणा पुलिस में एएसआइ हैं और मां सलीन देवी गृहिणी हैं। 2017 में आठवीं कक्षा के दौरान चाचा व कोच विनोद पंवार से प्रेरित होकर उन्होंने बाक्सिंग शुरू की। बेटी के सपनों को उड़ान देने के लिए परिवार महम शिफ्ट हो गया। यही समर्पण आज उनकी सफलता की मजबूत नींव बना।प्रीति रोजाना करीब पांच घंटे कड़ी ट्रेनिंग करती हैं। सुबह और शाम दोनों समय रिंग में अभ्यास करते हुए वे अपनी तकनीक को निखारती हैं। हर दिन अपनी कमजोरियों को दूर करना और बेहतर बनना ही उनका लक्ष्य रहता है। यही मेहनत और अनुशासन उन्हें दूसरों से अलग बनाता है और इंटरनेशनल स्तर पर जीत दिलाता है। जुलाई में कामनवेल्थ और बाद में एशियन गेम्स प्रीति अब जुलाई में स्काटलैंड के ग्लासगो में होने वाले कामनवेल्थ गेम्स और इसके बाद जापान में एशियन गेम्स की तैयारी में जुटी हैं। उनका लक्ष्य साफ है कि हर बड़े मंच पर गोल्ड जीतना।

उनकी इस उपलब्धि से भिवानी के युवा खिलाड़ियों में नई ऊर्जा आई है और खेलों के प्रति उत्साह बढ़ा है। खेल प्रेरक व अधिवक्ता राजनारायण पंघाल ने कहा कि प्रीति पंवार ने दिखा दिया कि अगर जुनून और मेहनत हो तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं। उनकी जीत पूरे भिवानी और हरियाणा के लिए गर्व की बात है। वे आने वाले समय में देश के लिए और बड़े पदक जीतेंगी।

हनुमानजी की 11 मुखी मूर्तियां करती हैं अलग-अलग मनोकामनाओं की पूर्ति

प्रत्येक व्यक्ति को हनुमानजी की भक्ति करना चाहिए। कलियुग में हनुमान ही एकमात्र जाग्रत देव हैं। उनका चारों युग में प्रताप है। उनकी भक्ति से व्यक्ति के भीतर साहस और आत्मविश्?वास का संचार होता है। हनुमानजी की भक्ति हर संकट से बचाती है। भक्तों ने अपनी भक्ति के चलते हनुमानजी के अलग-अलग रूप को पूजनीय बनाया है। कहते हैं कि हनुमानजी की भिन्न-भिन्न मूर्तियों की उपासना से भिन्न-भिन्न फल की प्राप्ति होती है। वैसे हनुमाजी की और भी मुखों वाली मूर्तियां हैं लेकिन हम जानते हैं 11 मुख वाले हनुमाजी की मूर्तियों की उपासना के लाभ।

● पूर्वमुखी

पूर्व की तरफ जो मुंह है उसे 'वानर' कहा गया है। जिसकी प्रभा करोड़ों सूर्यो के तेज समान हैं। इनका पूजन करने से समस्त शत्रुओं का नाश हो जाता है। इस मुख का पूजन करने से शत्रुओं पर विजय पाई जा सकती है।

● पश्चिममुखी

पश्चिम की तरफ जो मुंह है उसे 'गरूड़' कहा गया है। यह रूप संकटमोचन माना गया है। जिस प्रकार भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ अजर-अमर हैं उसी तरह इनको भी अजर-अमर माना गया है।

● उत्तरामुखी हनुमान

उत्तर दिशा देवताओं की मानी जाती है। यही कारण है कि शुभ और मंगल की कामना उत्तरामुखी हनुमान की उपासना से पूरी होती है। उत्तर की तरफ जो मुंह है उसे 'शूकर' कहा गया है। इनकी उपासना करने से अबाध धन-दौलत, ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा, लंबी आयु तथा निरोगी काया प्राप्त होती है।

● दक्षिणामुखी हनुमान

दक्षिण की तरफ जो मुंह है उसे 'भगवान नृसिंह' कहा गया है। यह रूप अपने उपासको को भय, चिंता और परेशानीयों से मुक्त करवाता है। दक्षिण दिशा में सभी तरह की बुरी शक्तियों के अलावा यह दिशा काल की दिशा मानी जाती है। यदि आप अपने घर में उत्तर की दीवार पर हनुमानजी का चित्र लगाएंगे तो उनका मुख दक्षिण की दिशा में होगा। दक्षिण में उनका मुख होने से वह सभी तरह की बुरी शक्तियों से हमें बचाते हैं। इसलिए दक्षिणामुखी हनुमान की साधना काल, भय, संकट और चिंता का नाश करने वाली होती है।

● ऊर्ध्वमुख

हनुमानजी का ऊर्ध्वमुख रूप 'घोड़े' के समरूप है। यह स्वरूप ब्रह्माजी की प्रार्थना पर प्रकट हुआ था। मान्यता है कि हयग्रीवदैत्य का संहार करने के लिए वे अवतरित हुए थे।

● पंचमुखी हनुमान

राम लक्ष्मण को अहिरावण से मुक्त कराने के लिए हनुमानजी ने पंचमुखी रूप धारण किया था। पांचों दीपक को एक साथ बुझाने पर अहिरावन का वध हो जाएगा इसी कारण हनुमान जी ने पंचमुखी रूप धरा। उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह मुख, पश्चिम में गरुड़ मुख, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान मुख।

● एकादशी हनुमान

श्रीहनुमानजी रुद्र यानी शिव के ही ग्यारहवें अवतार माने गए हैं। ग्यारह मुख वाले कालकारमुख नामक एक भयानक बलवान राक्षस का वध करने के लिए श्रीराम की आज्ञा से हनुमानजी ने एकादश मुख रूप ग्रहण करके चैत्र पूर्णिमा (हनमान जयंती) को शनिश्चर के दिन उस राक्षस का उसकी सेना सहित वध कर दिया था। एकादशी और पंचमुखी हनुमान जी पूजा से सभी देवी और देवताओं की उपासना के फल मिलते हैं।

● वीर हनुमान

जैसा की नाम से ही विदित है कि इस नाम से हनुमानजी की प्रतिमा की पूजा जीवन में साहस, बल, पराक्रम और आत्मविश्वास प्रदान कर सभी कार्यों की बाधाओं को दूर करती है।

● भक्त हनुमान

राम की भक्ति करते हुए आपने हनुमानी का चित्र या मूर्ति देखी होगी। इस चित्र या मूर्ति की पूजा से जीवन के लक्ष्य को पाने में आ रहीं अड़चनें दूर होती है। साथ ही यह भक्ति जरूरी एकाग्रता और लगन देने वाली होती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी हाथ में करताल लेकर राम की भक्ति करते नजर आएंगे।

● दास हनुमान

हनुमानजी रामजी के दास हैं। सदा रामकाज करने को आतुर रहते हैं। दास हनुमान की आराधना से व्यक्ति के भीतर सेवा और समर्पण की भावना का विकास होता है। धर्म, कार्य और रिश्तों के प्रति समर्पण और सेवा होने से ही सफलता मिलती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी प्रभु श्रीरामजी के चरणों में बैठे हुए हैं।

● सूर्यमुखी हनुमान

शास्त्रों के मुताबिक श्रीहनुमान के गुरु सूर्यदेव हैं। सूर्य पूर्व दिशा से उदय होकर जगत को प्रकाशित करता है। सूर्यमुखी हनुमान की उपासना से ज्ञान, विद्या, ख्याति, उन्नति और सम्मान मिलता है। सूर्यमुखी हनुमान को ही पूर्वमुखी हनुमान कहते हैं। कहा जाता है कि अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सही तरीके व सम्मान से नहीं की जाए, तो इसको भूलकर भी घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। दरअसल, पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं होता है।

घर में क्यों नहीं रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर

हनुमान जी का पंचमुखी स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से घर का माहौल अशांत और उग्र हो सकता है। खासकर यदि पंचमुखी हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा न की जाए। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा करना आसान नहीं होता है, इनकी पूजा के कुछ विशेष नियम होते हैं। ऐसे में सब लोग इन नियमों का सभी लोग पालन नहीं कर पाते हैं। अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में कोई कमी होती है, तो इससे जीवन में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

कहां रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मंदिरों में की जाती है। जहां पर उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान की मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा माना जाता है।जिससे कि उनकी नियम से पूजा की जा सके। कुछ व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, साथ ही यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से भी रखा करती है।

पंचमुखी हनुमान को माना जाता है साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक

हिंदू धर्म में पंचमुखी हनुमान को साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी के पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय होती है। हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन बहुत से लोग घरों में भी पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं।हनुमान जी के पांच मुख उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख और पूर्व दिशा हनुमान जी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान

बता दें कि घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को रखने से सही दिशा और स्थान का चयन जरूर कर लें। ज्योतिष और वास्तु के मुताबिक गलत दिशा और स्थान पर हनुमान जी के इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में पॉजिटिव ऊर्जा की जगह वास्तु दोष पैदा हो सकता है। अक्सर लोग पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति को घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। लेकिन यह स्थान उपयुक्त नहीं माना जाता है। ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही से उपयोग नहीं हो पाता है और अंजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है।

सनातन धर्म में तुलसी पूजा का महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए घर में तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। तुलसी की सच्चे मन से पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है और धन लाभ के योग बनते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी की मंजरी से जुड़े उपाय करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही धन से जुड़ी समस्या दूर होती है।

श्रीहरि होंगे प्रसन्न–यदि आप भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद प्रभु की पूजा करें और उनके चरणों में तुलसी की मंजरी चढ़ाएं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को विधिपूर्वक करने से श्रीहरि प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आर्थिक तंगी होगी खत्म–अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो तुलसी की मंजरी और दूध से भगवान विष्णु का विधिपूर्वक अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी जल्द खत्म होती है और हमेशा पैसों से तिजोरी भरी रहती है।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

तुलसी की मंजरी को लाल रंग के कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी को चढ़ाएं। कुछ समय के बाद इसे पर्स या फिर तिजोरी में रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से तिजोरी पैसों से कभी खाली नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि–अगर आप जीवन में दुख और संकट का सामना कर रहे हैं, तो पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सनातन धर्म में तुलसी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसे देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और इसकी पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। तुलसी की मंजरी का उपयोग विभिन्न ज्योतिषीय उपायों में किया जाता है, जिससे जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं। इस लेख में हम तुलसी पूजा के महत्व और इसके ज्योतिषीय लाभों के बारे में विस्तार से जानेंगे।

सनातन धर्म में तुलसी का है विशेष महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी हैं। , तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है।

यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है। इसके अलावा तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है। अगर तुलसी पर छिपकली दिखाई दे और वह सुरक्षित रूप से चली जाए, तो इसे शुभ माना जाता है और यह संकेत करता है कि आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं। कुछ संस्कृतियों में, छिपकली को बुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। इसलिए, तुलसी के पास छिपकली का दिखना घर और परिवार की सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लेकिन यदि छिपकली बार-बार तुलसी के पौधे पर आती दिखे, तो यह घर में कलह या विवाद का संकेत हो सकता है। तुलसी में मंजरी आने का मतलब है कि जीवन में आने वाले संकटों से निजात मिलेगी। इसके लिए तुलसी की मंजरी को लाल कपड़े में बांधकर अपने घर के उस स्थान पर रख दें, जहां आप अपना धन रखते हैं। ऐसा करने से आपके घर में मां लक्ष्मी का वास होगा.

घर से निकलने से पहले हथेली पर लगाएं गुलाब का इत्र

● कुछ ही हफ्ते में खत्म होंगी ये 2 परेशानियां

वास्तु शास्त्र के हिसाब से हफ्ते के सातों दिन किसी ना किसी ग्रह से जरूर जुड़े होते हैं। अगर दिन के हिसाब से हम छोटे-छोटे उपाय करने लगे तो इसका असर जिंदगी में धीरे-धीरे दिखने लगेगा। शास्त्र के हिसाब से शुक्रवार का दिन काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं इस दिन का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शास्त्र में शुक्र को लग्जरी, प्यार और पैसा देने वाला ग्रह कहा जाता है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है, उनकी जिंदगी में इन चीजों को कमी कभी नहीं होगी। अगर आपकी कुंडली में ये ग्रह उतना मजबूत नहीं हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। अगर शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर लिया जाए तो तमाम लोग इससे होने वाले फायदे का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि ये उपाय क्या है और इससे क्या-क्या लाभ हमें मिल सकते हैं?

शुक्र ग्रह का मजबूत और कमजोर होना

शुक्रवार और शुक्र ग्रह का बेजोड़ संबंध है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह के मजबूत और कमजोर होने से इसका असर सुख-सुविधाओं, रिश्तों और पैसों पर पड़ता है। जब शुक्र मजबूत होता है तो जिंदगी में प्यार और पैसे की कोई कमी नहीं होती है। जिनका ये ग्रह मजबूत होता है वो लोग लग्जरी लाइफ जीते हैं। वहीं इसके कमजोर होते ही रिश्तों में मनमुटाव की स्थिति बनती है और पैसों की तंगी परेशान करती है।

हथेली पर लगा लें गुलाब का इत्र

अगर आपको अपना शुक्र ग्रह मजबूत करना है तो शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह के उपाय के तौर पर बताया जाता है कि गुलाब का इत्र से काफी लाभ मिल सकते हैं। अगर घर से निकलने से पहले हथेली पर थोड़ा सा इत्र लगा लिया जाए तो इसे काफी शुभ माना जाता है। हालांकि इत्र को लगाने का भी नियम है।

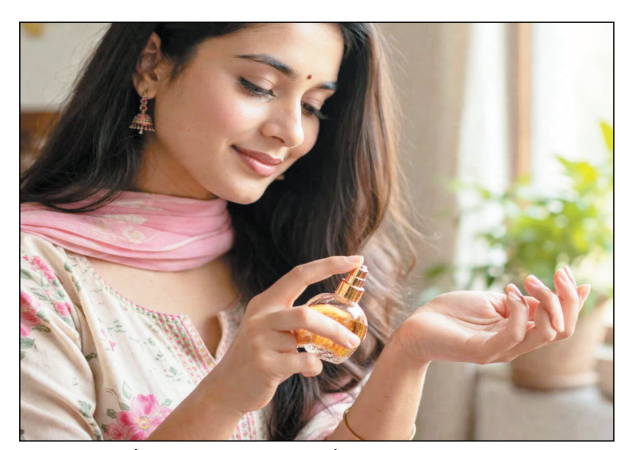

रोज-रोज झगड़ों की वजह हो सकते हैं यह वास्तु दोष

घर में किसी न किसी बात पर अक्सर झगड़े होते रहते हैं। इसके लिए कहीं वास्तुदोष तो जिम्मेदार नहीं है। हमारे जीवन में वास्तु का विशेष महत्व होता है। वास्तु के उपाय से निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में फैली तमाम तरह की परेशानियों को दूर किया जा सकता है। यह कुछ ऐसे ही टिप्स हैं जिन्हें अपनाकर सभी तरह की परेशानियों से पीछा छुड़ाया जा सकता है।

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण का विशेष महत्व होता है। इस दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। घर का ईशान भाग उठा हुआ नहीं होना चाहिए। घर के इस हिस्से में यह दोष होने से पिता-पुत्र के बीच दूरियां बढ़ती है।

घर के उत्तर पूर्व कोने में स्टोर रूम नही बनवाना चाहिए ऐसा करने से भी घर के सदस्यों के बीच लड़ाई-झगड़ा होता है।

वास्तु अनुसार उत्तर पूर्वी दिशा में रसोई घर या शौचालय होने पर घर के सदस्यों की बीच में मनमुटाव बना रहता है। इस परेशानी को दूर करने के लिए घर के उत्तर पूर्वी दिशा में रसोईघर या शौचालय नहीं होना चाहिए।

ईशान कोण पर बिजली के उपकरणों को रखने से पिता पुत्र के बीच अनबन बनी रहती है। घर के उत्तर पूर्वी दिशा में इन चीजो को नही रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर के उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए इससे घर के सदस्यों के बीच में मनमुटाव रहता है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा।

वास्तु में दिशाओं का महत्व

● आपके दैनिक जीवन ● स्वास्थ्य और धन पर दिशाओं का चमत्कारी प्रभाव

वास्तु में दिशाओं का महत्व केवल घर या सामान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर मनुष्यों पर भी पड़ता है। कोई व्यक्ति किस दिशा में सोता है, जागता है, खाता है या काम करता है, इन सबका प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है।

वास्तुशास्त्र में अलग-अलग दिशाएँ अलग-अलग ऊर्जाओं से जुड़ी होती हैं। ये दिशाएँ केवल घर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के जीवन की दिशा भी तय करती हैं। जिस दिशा में हम रहते, काम करते, सोते या पूजा करते हैं, उसका सीधा असर हमारी सोच, स्वास्थ्य, धन और रिश्तों पर पड़ता है। दिशाओं का असर केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी होता है। सूर्य की गति, हवा का प्रवाह और चुंबकीय क्षेत्र सीधे तौर पर स्वास्थ्य और मूड को प्रभावित करते हैं।

पूर्व दिशा –पूर्व दिशा को उन्नति, अध्यात्म और ज्ञान की दिशा माना गया है। यह दिशा सूर्य की दिशा है। इस दिशा की ऊर्जा का असर बुद्धि, आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा और करियर में उन्नति पर पड़ता है। इसलिए, इस दिशा में अध्ययन कक्ष, मुख्य द्वार, बच्चों का कमरा होना बेहद शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा में खिड़की या पूजा स्थान होने से सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति मिलती है। इस दिशा में दोष होने पर निर्णय क्षमता कमजोर और अवसर हाथ से निकलना जैसी **पश्चिम दिशा**–यह लाभ और संतुलन की दिशा मानी जाती है। इस दिशा की ऊर्जा से मेहनत का फल, धैर्य और सामाजिक मान-सम्मान मिलता है। सूर्यास्त की ऊर्जा मन को शांत करती है और दिन का संतुलन देती है। इस दिशा में भोजन कक्ष बनाने या बच्चों का कमरा बनाने की सलाह दी जाती है। पश्चिम दिशा में भोजन कक्ष या बैठक कक्ष होने से पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। इस दिशा में दोष होने पर काम में देरी या अपेक्षित परिणाम न मिलने जैसी समस्याएं भुगतनी पड़ती है।

उप-दिशाओं का असर

अग्नि कोण

यह दिशा ऊर्जा, स्वास्थ्य और पाचन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसलिए, इस दिशा में रसोई बनानी की सलाह दी जाती है। इस दिशा में दोष होने पर क्रोध या वैवाहिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दक्षिण दिशा -

यम की दिशा होने के कारण इसे अक्सर गलत समझा जाता है, जबकि यह स्थिरता और शक्ति की दिशा है। लोगों को इस दिशा में मास्टर बेडरूम बनाने की सलाह दी जाती है।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा कुबेर की दिशा मानी जाती है। इसलिए, यह धन, करियर और अवसर की दिशा भी मानी जाती है। यह दिशा तिजोरी रखने, ऑफिस या वर्कस्टेशन के लिए बिलकुल सही मानी जाती है। इससे आर्थिक स्थिरता, व्यापार में वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। उत्तर चुंबकीय ऊर्जा का स्रोत है, जो मानसिक स्पष्टता और निर्णय क्षमता को बढ़ाती है। उत्तर दिशा में मुख्य द्वार या ऑफिस होने से आर्थिक वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। अगर इस दिशा में दोष हो, तो आय में रुकावट और कर्ज़ की स्थिति पैदा हो जाती है।

पितृदोष से लेकर कई ग्रह दोषों का निवारणकरती है गाय

गााय का वर्णन हमरे पुराणोंमें है। इसके अलावा ज्योतिष में भी गायों को महत्व दिया गया है। शिवपुराण एवं स्कन्दपुराण में कहा गया है कि गोसेवा और गोदान से यमराज का भय नहीं रहता है। इसलिए हमें गायों की सेवा करनी चाहिए। शुभ कार्यों के लिए गोधूलि वेला खास बताई गई है। मंगल कार्यों के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त जब गाय चारा चरकर जंगल से वापस आती हैं, उस समयको गोधूलिवेला कहा जाता है। गाय को ज्योतिष में भी खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर गाय को रोटी खिलाएं और गाय की सेवा करें, तो कई ग्रह दोष दूर हो जाते हैं। यहां पढ़ें गाय से किन जयोतिष दोषों में लाभ होता है। अगर आप किसी शुभ कार्य के लिएजा रहे हैं, तो आपको बछड़े को दूध पिताली हुई गाय मिल जाए, तो समझ लें कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं, वो सफल हो जाएगा।

संयुक्ता मेनन ने पूरी की 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग

टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री संयुक्ता मेनन बेहतरीन परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में अपनी एक मजबूत पहचान रखती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी शेड्यूल की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक नोट शेयर कर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'सिनेमा कभी भी किसी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता। बल्कि, यह कई विभागों में काम करने वाले अनगिनत लोगों के हाथों, दिलों और मेहनत का साथ होता है। सब एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं। हमने जो कुछ भी यहां बनाया है, वह इसी टीम भावना का नतीजा है। मैं इस पूरी टीम के प्रति बहुत आभारी हूं। ' संयुक्ता ने फिल्म के निर्देशक योगी को खास तौर धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, 'योगी सर, हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। आपका भरोसा और मार्गदर्शन मेरे लिए शब्दों से परे है। उन्होंने मंचेरियल की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान तेज धूप और गर्मी ने काफी परेशान किया। तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फिर भी पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मंचेरियल ने हमारी हर तरह से परीक्षा ली। सूरज की तपिश बहुत तेज थी, लेकिन हमारी टीम उससे भी ज्यादा मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूज सब डटे रहे। पूरी ताकत, जुनून और एक लक्ष्य के साथ काम किया। ऐसा हौसला बहुत कम देखने को मिलता है। इस टीम का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म के हर सदस्य को धन्यवाद देते हुए लिखा, 'आप सबने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया, जिसके लिए सभी का दिल से शुक्रिया। आप मेरी ताकत हो। जब मैं ऐसी मुश्किल शूटिंग करती हूं, तो मेरा शरीर थकान, डिहाइड्रेशन और सनबर्न महसूस करता है, लेकिन आपकी देखभाल, आपका साथ और आपकी मौजूदगी मुझे हर बार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है। '

'संस्कारों पर टिके रहना चाहिए'

सूरज बड़जात्या ने अपनी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्या 'धुरंधर' जैसी फिल्मों के बीच, इस तरह की पारिवारिक फिल्में सफल हो सकती हैं या नहीं... सूरज बड़जात्या ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मैने प्यार किया' से की थी। इसके बाद उनकी दो और फिल्में 'हम आपके हैं कौन' और 'हम साथ-साथ हैं' भी ब्लॉकबस्टर रहीं। लेकिन साल 2003 में सूरज बड़जात्या की पहली फ्लॉप फिल्म 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' रिलीज हुई। इसमें पहली बार उनकी फिल्म में सलमान खान नहीं थे। हाल ही में सूरज बड़जात्या ने बताया कि पहली फ्लॉप के बाद क्यों उन्हें लगा कि वो कहीं खो गए हैं। साथ ही उन्होंने 'विवाह' बनाने के पीछे के कारण के बारे में भी बात की।

हमारी असफलता हमें बहुत कुछ सिखाती है

स्क्रीन स्पॉटलाइट से बात करते हुए सूरज बड़जात्या ने 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म के फ्लॉप होने के बाद ऐसा लगा कि जैसे मैं कहीं खो गया हूं। लेकिन यही वजह है कि मैं प्रेम की दीवानी हूं मेरे दिल के बहुत करीब है। हम सब इंसान हैं। हम सब सीखते हैं। हमारी हर असफलता हमें बहुत कुछ सिखाती है।

अपारशक्ति ने एक समोसे के लिए तय किया दिल्ली से आगरा का सफर

अभिनेता अक्षय कुमार की सख्त डाइट और फिटनेस से हर कोई वाकिफ है। हाल ही में अभिनेता ने अपने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में बताया था कि उन्होंने पिछले 15 सालों से समोसा नहीं खाया है। दूसरी ओर अभिनेता अपारशक्ति खुराना समोसे की तलाश में आगरा जा पहुंचे। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें अभिनेता ने बताया कि उन्होंने आगरा का समोसा खाने के लिए दिल्ली से आगरा तक का सफर तय किया। वीडियो में अपारशक्ति आगरा के मशहूर समोसे का लुत्फ उठाते हुए कहते हैं कि उनका आगरा आना सफल हो गया। इसके बाद उन्होंने उस दुकान की मशहूर छेने की मिठाई भी खाई। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'आगरा के पेठे के बाद अब आगरा के समोसे तेरे पीछे तो मैं पूरी तरह से फिदा हो गया हूं। ' अपारशक्ति का यह वीडियो सभी को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर अपारशक्ति के दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में जमकर प्रतिक्रिया दी। म्यूजिशियन रोचक कोहली ने लिखा, 'आपका कुर्ता अच्छा लग रहा है।' अभिनेत्री दिलजोत ने लिखा, 'हमें भी चाहिए आगरा के समोसे।' जबकि, अभिनेता की पत्नी आकृति अहूजा ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेता हाल ही में फिल्म 'जब खुली किताब' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने आर.के. नेगी नाम के एक छोटे वकील का किरदार निभाया है। उनका किरदार एक इमोशनल और काम की तलाश में रहने वाले वकील का है, जो पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया के बुजुर्ग जोड़े के तलाक के मामले को संभालता है। यह फिल्म एक ऐसे वृद्ध जोड़े (गोपाल और अनुसूया) की कहानी है, जो पांच दशक साथ रहने के बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं, जिससे उनका परिवार हैरान रह जाता है।

'कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक', 'गली' सीरीज के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज 'गली' की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में 'लैला' नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, ''लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया।''

हंसिका ने कहा, ''लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है।

'लोग बुलाते हैं, पर बोलने को मना करते हैं'; फैंस ने की ये अपील

रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट कल्चर पर कसा तंज

रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट कल्चर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उनके इस खुलासे ने एक नई बहस को जन्म दिया है। रणवीर शौरी हाल ही में रजत कपूर की फिल्म 'एवरीबॉडी लव्स सोहराब हांडा' में नजर आए हैं। इसमें उनके साथ विनय पाठक भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दिए हैं। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया हासिल हुई है। इस बीच रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट को लेकर एक पोस्ट किया, जिसके बाद पॉडकास्ट कल्चर को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।

पॉडकास्ट को लेकर वायरल हुई रणवीर

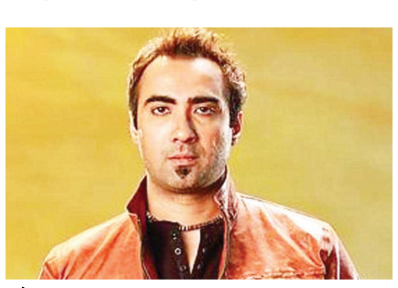

शौरी की पोस्ट

अपनी बात बेबाकी से कहने के लिए मशहूर शौरी ने अपने प्रमोशन के दौरान का एक अनोखा अनुभव साझा किया। उन्होंने पॉडकास्ट को लेकर अपने एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैं किसी नई फिल्म के प्रमोशन के लिए पॉडकास्ट पर आऊं और ज्यादा बात न करूं। इस दुनिया को खुश करना नामुमकिन है।' व्यंग्य से भरी रणवीर की यह टिप्पणी तुरंत वायरल हो गई। इस पर यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। वहीं पॉडकास्ट कल्चर को लेकर भी एक बहस शुरू हो गई।

'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल का नेगेटिव किरदार, बोलीं- ये चुनौतीपूर्ण रहा

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी।

उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें। '

एली अवराम ने आमिर और शाहरुख को लेकर कही ये बात

'बड़े स्टार्स के बारे में गलत है नए एक्टर्स की सोच'

एली अवराम ने फिल्मों में काम करने के अलावा कई आइटम नंबर भी किए हैं, जिनसे उन्हें सुर्खियां मिली हैं। एली पिछले लंबे वक्त से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और इस दौरान उन्हें कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ भी काम करने का मौका मिला है। हाल ही में एली अवराम ने स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। साथ ही उन्होंने आमिर खान को लेकर अपनी राय भी रखी और बताया कि उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अपने काम को लेकर पेशेवर होते हैं स्टार्स

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान एली अवराम ने बड़े स्टार्स के बारे में अपनी राय साझा की। एक्ट्रेस ने बड़े स्टार्स को लेकर कहा कि उनसे मैंने एक बात सीखी है कि वे अपने काम का बहुत सम्मान करते हैं। उनमें बहुत अनुशासन है और वे बेहद विनम्र हैं। यह देखना बहुत अच्छा लगता है कि वे अपने काम के प्रति कितने पेशेवर और समर्पित हैं और फिर भी आगे बढ़ना और बेहतर करना चाहते हैं।

बड़े सितारों के साथ काम करते हुए मैंने जो सबसे अच्छी बात देखी है, वह यह है कि मुझे कभी-कभी लगता है कि नए कलाकारों की इन स्टार्स के व्यवहार के बारे में जो सोच है, वह पूरी तरह गलत है। बड़े स्टार्स बहुत पेशेवर होते हैं, अपने साथ काम करने वालों के प्रति दयालु होते हैं, और वे नखरे नहीं दिखाते या अपनी धौंस नहीं जमाते।

2021 में आई फिल्म 'कोई जाने ना' के गाने 'हर फन मौला' में आमिर खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी एली ने बात की। उन्होंने कहा कि आमिर खान एक परफेक्शनिस्ट होने के साथ-साथ बेहद विनम्र भी हैं। वह सबसे बात करते हैं, सबका सम्मान करते हैं। वह आपकी राय की परवाह करते हैं और उस पर विचार भी करते हैं, उसे पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं करते।

शाहरुख खान की बड़ी फैन हूं

एली अवराम ने सलमान खान और आमिर खान के साथ काम किया है, लेकिन उन्हें अभी तक शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला है। हालांकि, शाहरुख से उनकी मुलाकात हो चुकी है। शाहरुख से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए एली ने कहा कि मैं शाहरुख खान से पहली बार 2013 में एक रियलिटी शो के सेट पर मिली थी। वह वहां जज थे और मैं 'मिक्की वायरस' के प्रमोशन के लिए गई थी।

उन्होंने पोस्टर में मेरे लुक की तारीफ की। यह मेरे लिए एक यादगार पल था, क्योंकि मैं शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करना मेरे लिए मानो आखिरी मौका है। 'देवदास' पहली पूरी बॉलीवुड फिल्म थी, जो मैंने देखी। मुझे वह फिल्म इतनी पसंद आई कि मैं रो पड़ी, मेरे दोस्त शाहरुख खान के दीवाने हो गए थे। जिस दिन मैं उनके साथ काम करूंगी, स्वीडन में मेरे दोस्तों के लिए वह बहुत बड़ी बात होगी।

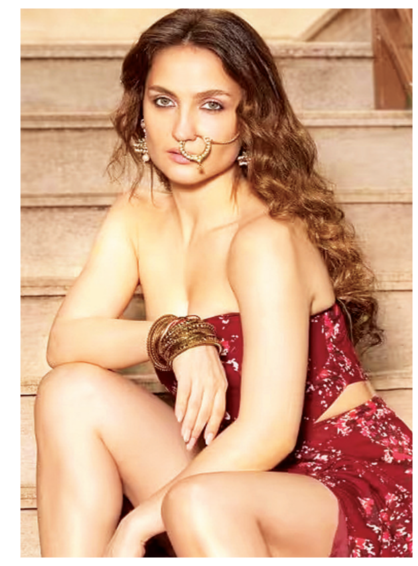

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।